भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

15 अप्रैल - 21 अप्रैल, 2026

jagrukjanta.net

चैत्र, पक्ष - कृष्ण, तिथि - त्रयोदशी, संवत 2083 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-12, अंक-7, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/- (साप्ताहिक)

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम कर रहा मज़ाक या मूंद रखी आंखें!

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

यूं तो राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की बहुत सी बातें कार्रवाई और शिकायतें सुनी जाती रही हैं आमजन में, जैसे बिना टिकट यात्रियों को ले जाना, सवारियों से झगड़ा हो जाना, अचानक बसों को रद्द कर देना। इस तरह की तमाम शिकायतों से आमलोग आए दिन रूबरू होते रहते हैं। मगर ऐसी शिकायतों पर कार्रवाई होती है या नहीं, यह तो पता नहीं चलता। इन दिनों जयपुर से कैलादेवी वाया कैथून, लालसोट, गंगापुर मार्ग पर राजस्थान रोडवेज की हूबहू बसें बहुतायत में चलती हैं, अंतर सिर्फ ये है कि इन बसों के कलर में थोड़ा सा बदलाव और लोगो (रोडवेज का चिन्ह) नहीं होता। लोग भ्रमवश उस गाड़ी को रोडवेज की समझ कर उसमें बैठ जाते हैं और किराया देने पर पता चलता है कि यह तो प्राइवेट बस है। वहीं दूसरी बात इनमें से कई बसों पर राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के स्थान पर राजस्थान परिवहन सेवा बस के उसी स्थान पर लिखा होता जहां निगम की बसों में लिखा होता है। यह भी यात्रियों को भ्रम में डालने की एक वजह साबित हो रहा है। इस भ्रम में वरिष्ठ नागरिक एवं महिलाएं इन बसों में बैठ जाते हैं और पूरा किराया चुकाना पड़ता है। अतः विभाग को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए और इस मार्ग पर इस तरह की बसों को कम करके रोडवेज बसों की संख्या बढ़ानी चाहिए। यहां सवारी भार बहुत ज्यादा है। दूसरी बात रोडवेज की बसों में अंदर सीटों पर वरिष्ठ जन एवं महिलाएं लिखा होता है उन पर अन्य यात्री मजे से बैठे रहते हैं। मगर बुजुर्ग एवं महिलाओं के कहने पर भी ये लोग सीटों को खाली नहीं करते हैं। बल्कि इनकी मजाक और बनाते हैं। अगर इस बारे में कंडक्टर को कहा जाए तो जवाब मिलता है कि मैं क्या कर सकता हूं ये तो इन सवारियों को ही चाहिए कि ये सीट छोड़ दें। अगर ये खाली नहीं करते हैं तो पीछे चले जाओ गैलरी में खड़े रहो। कई बार तो बेचारी महिला अपने सामान समेत बच्चे को गोद में लिए खड़ी रहती है, तो बुजुर्ग कमर के हाथ लगाकर टुकुर-टुकुर देखता रहता है। जब ऐसी व्यवस्था हो ही नहीं सकती है तो इन सीटों को चिन्हित कर वरिष्ठ जन और महिलाओं के साथ मजाक क्यों किया जा रहा है। सीटों को चिन्हित करना बंद कर देना चाहिए जिससे बिना वजह यात्रियों में विवाद तो नहीं हो।

shivdayalmishra@gmail.com

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर राज्य स्तरीय समारोह

बाबा साहेब के आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्र विकास में योगदान दें युवा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार पिछड़े, वंचित एवं अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक विकास का उजियारा पहुंचाने एवं जीवन स्तर सुधारने के लिए प्रतिबद्ध है। डबल इंजन सरकार बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के सामाजिक न्याय के आदर्शों पर चलते हुए सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का मंत्र पर काम कर रही है। हमारी सरकार बाबा साहेब के सपनों को पूरा करते हुए समाज के सभी वर्गों को सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक रूप से सशक्त एवं सक्षम करने का कार्य कर रही है। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि बाबा साहेब के सिद्धांतों और आदर्शों को आत्मसात करते हुए राष्ट्र विकास में योगदान दें।

मुख्यमंत्री ने पेंशन एवं पालनहार योजना के लाभार्थियों को डीबीटी के माध्यम से 1 हजार 363 करोड़ रुपये का राशि हस्तांतरित की। उन्होंने 10 छात्रावास भवनों का लोकार्पण, 17 भवनों का शिलान्यास करने के साथ ही जामडोली स्थित स्वयंसिद्धा परिसर में लाइब्रेरी का वर्चुअल उद्घाटन किया। साथ ही, एआई आधारित 'हैल्प डेस्क समाधान साथी' का शुभारंभ भी किया। उन्होंने विशेष योग्यजनों को सहायक उपकरण एवं कन्यादान योजना के लाभार्थियों को राशि का वितरण किया। समारोह में मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने नगरीय क्षेत्रों में 200 अंबेडकर ई-लाइब्रेरी स्थापित करने एवं अंबेडकर पीठ, मूंडला, जयपुर में अंबेडकर आवासीय कोचिंग केन्द्र की स्थापना की घोषणा भी की।

शर्मा ने मंगलवार को जयपुर में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहेब की शिक्षा और दृष्टिकोण हमारी डबल इंजन सरकार की कार्यप्रणाली की बुनियाद है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत मिशन, उज्ज्वला योजना, पीएम आवास योजना एवं आयुष्मान भारत जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं का सबसे ज्यादा लाभ हमारे पिछड़े और वंचित वर्गों को मिल रहा है।

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित | जागरूक जनता www.jagrukjanta.net | बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 फोन : 0141-3587886 | सम्पर्क करें | विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए 9928022718 jagrukjantanews@gmail.com | समाचार प्रकाशित करवाने के लिए 9829329070 jagrukjantanews@gmail.com

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

जागरूक खबरें

कोविड-19 में अनाथ हुए युवक को मिली अनुकम्पा नियुक्ति

जयपुर @ जागरूक जनता। कोविड-19 महामारी के दौरान अनाथ हुए बच्चों के आश्रितों को राहत प्रदान करने हेतु राज्य सरकार द्वारा लागू अनुकम्पात्मक नियुक्ति नियम, 2024 के अंतर्गत नियुक्तियां दी जा रही हैं। इसी क्रम में जिला कलेक्टर संदेश नायक के निर्देशानुसार मनन गोयल जिनकी माता सुषमा गोयल एवं पिता अरूण कुमार गोयल का निधन कोविड-19 के दौरान हो गया था, को अनुकम्पा के आधार पर कनिष्ठ सहायक के पद पर कार्यालय जिला कलेक्टर, जयपुर में नियुक्त किया गया है। उन्होंने दिनांक 13.04.2026 को अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

तस्कर बबलू तंवर की 5.59 करोड़ की संपत्ति स्थाई फ्रीज

जयपुर @ जागरूक जनता। झालावाड़ जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के नेतृत्व में झालावाड़ पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए 'ऑपरेशन दिव्य प्रहार 2.0' का सफल आगाज किया है। इस अभियान के तहत पुलिस ने फरार इनामी तस्कर बबलू तंवर और उसके सहयोगियों द्वारा नशे के कारोबार से अर्जित की गई 5 करोड़ 59 लाख 7 हजार 389 रुपये की चल-अचल संपत्तियों को स्थाई रूप से फ्रीज कर दिया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भाग चन्द्र मीना ने बताया कि तस्कर बबलू तंवर निवासी पालखंदा थाना घाटोली लंबे समय से स्मैक तस्करी के अवैध कारोबार में लिप्त था। उसने तस्करी से प्राप्त अवैध आय के माध्यम से अपने और अपने सहयोगियों के नाम पर अकूत संपत्ति जुटाई थी। पुलिस की जांच में सामने आया कि तस्कर ने आलीशान मकान, व्यापक कृषि भूमि और लग्जरी वाहनों का बेड़ा तैयार किया था। झालावाड़ पुलिस की एमओबी शाखा ने इन संपत्तियों का गोपनीय डेटाबेस तैयार किया, जिसके बाद घाटोली थाना पुलिस ने फ्रीजिंग की कार्यवाही को अंजाम दिया। राजस्व विभाग और सार्वजनिक निर्माण विभाग के समन्वय से की गई इस कार्यवाही में करीब 2.03 करोड़ रुपये मूल्य के 05 मकान, 3.01 करोड़ रुपये बाजार मूल्य की 08 विभिन्न कृषि भूमियां और 54.06 लाख रुपये मूल्य के दुपहिया, चौपहिया और जेसीबी सहित कुल 04 वाहन फ्रीज किया गया है। फ्रीज की गई इन संपत्तियों की अनुमानित कीमत करीब 5,59,07,389/- है।

जयपुर मेट्रो फेज-2 मोदी सरकार की मंजूरी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली/जयपुर। केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जयपुर मेट्रो परियोजना के फेज-2 को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि करीब 41 किलोमीटर लंबे इस नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर का निर्माण प्रहलादपुरा से टोडी मोड़ तक किया जाएगा, जिसमें कुल 36 स्टेशन होंगे। इस परियोजना की कुल लागत 13,037.66 करोड़ आंकी गई है। यह केंद्र सरकार और राजस्थान सरकार का संयुक्त उपक्रम है।

फेज-2 से जुड़ेंगे यह प्रमुख क्षेत्र

उन्होंने कहा कि फेज-2 के तहत यह कॉरिडोर सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया, वीकेआईए, जयपुर एयरपोर्ट, टोंक रोड, एसएमएस अस्पताल व स्टेडियम, अंबाबाड़ी और विद्याधर नगर जैसे प्रमुख क्षेत्रों को जोड़ेगा। एयरपोर्ट क्षेत्र में भूमिगत स्टेशन बनाए जाएंगे और इसे मौजूदा फेज-1 से इंटरचेंज और फीडर सेवाओं के माध्यम से जोड़ा जाएगा, जिससे शहर में एकीकृत मेट्रो नेटवर्क तैयार होगा। वर्तमान में जयपुर मेट्रो फेज-1 पर प्रतिदिन लगभग 60 हजार यात्री सफर करते हैं। फेज-2 शुरू होने के बाद यात्रियों की संख्या में कई गुना वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी और सार्वजनिक परिवहन का दायरा बढ़ेगा।

2031 तक पूरा करने का लक्ष्य

सितंबर 2031 तक पूरा होने के लक्ष्य के साथ यह परियोजना शहर में ट्रैफिक जाम को कम करने, प्रदूषण घटाने और यात्रियों को बेहतर सुविधा देने में भूमिका निभाएगी। जयपुर मेट्रो का फेज-2 शहर को आधुनिक और भविष्य के लिए तैयार बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

यहां बनेंगे मेट्रो स्टेशन

जयपुर मेट्रो फेज-2 के तहत टोडी मोड, हरमाड़ा घाटी, हरमाड़ा, वीकेआई रोड नंबर 14, वीकेआई रोड नंबर 9, वीकेआई रोड नंबर 5, विद्याधर नगर, सेक्टर 2, भवानी निकेतन, अंबाबाड़ी, पानीपेच, कलक्ट्रेट, खासा कोठी सर्कल, गवर्नमेंट हॉस्टल, अशोक मार्ग, एसएमएस हॉस्पिटल, नारायण सिंह सर्कल, रामबाग सर्कल, नेहरू पैलेस, गांधीनगर स्टेशन, गोपालपुरा, दुर्गापुरा, बीटू बायपास चौराहा, पिंजरापोल गौशाला, हल्दीघाटी गेट, कुंभा मार्ग, जीईसीसी, सीतापुरा, गोनेर मोड, बीलवा, बीलवा कलां, सहारा सिटी, प्रहलादपुरा में मेट्रो स्टेशन प्रस्तावित है। इसके अलावा 2 जगह अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन बनेंगे।

5 साल में 57 किमी का होगा जयपुर में मेट्रो रूट

जयपुर @ जागरूक जनता। राजधानी जयपुर में अगले पांच वर्ष में मेट्रो का दायरा बढ़कर 57 किमी का हो जाएगा। राज्य सरकार ने 42.80 किमी की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनाकर केंद्र सरकार को भेजी थी, लेकिन 1.8 किमी के प्रस्ताव को निरस्त कर दिया गया। ऐसे में 41 किमी लम्बे रूट को हरी झंडी मिल गई। वर्ष 2031 तक जयपुर मेट्रो का कुल रूट करीब 57 किमी तक पहुंचाने की योजना है। इससे शहर के प्रमुख आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों को सीधा जुड़ाव मिलेगा और यातायात दबाव में बड़ी राहत की उम्मीद है। जयपुर मेट्रो फेज-2 में प्रस्तावित 36 में दो स्टेशन (सांगोनर और जयपुर एयरपोर्ट) भूमिगत बनाए जाएंगे। शेष स्टेशन एलिवेटेड होंगे। वहीं, खासाकोठी पर फेज-1 पर स्टेशन विकसित किया जाएगा। फेज-2 में प्रस्तावित स्टेशन को जोड़ा जाएगा। गर्वनमेंट हॉस्टल और चांदपोल मेट्रो स्टेशन के बीच 1800 मीटर की कनेक्टिंग (स्पर लाइन) लाइन को केंद्र ने मंजूरी नहीं दी है।

फेज-1 सी और डी: बड़ी चौपड़ से ट्रांसपोर्ट नगर (2.85 किमी), मानसरोवर से 200 फीट बाइपास तक (1.35 किमी) का काम चल रहा है। मेट्रो अधिकारियों की मानें तो अगले दो वर्ष में इनका संचालन शुरू हो जाएगा।

फेज-2 : (प्रहमलादपुरा से टोडी मोड़)- 41 किमी के इस प्रोजेक्ट से शहर क उत्तर-दक्षिण हिस्से जुड़ जाएंगे।

ये तीन बड़ी चुनौतियां

- **भूमि अधिग्रहण:** घनी आबादी वाले क्षेत्रों में जमीन उपलब्ध कराना सबसे बड़ी चुनौती होगी।
- **यातायात प्रबंधन:** टोंक रोड पर यातायात का भारी दबाव रहता है। निर्माण के दौरान मुख्य मार्गों पर जाम और डायवर्जन की समस्या बढ़ सकती है।
- **यूटिलिटी शिफ्टिंग:** पानी, बिजली, सीवर लाइन जैसी सुविधाओं को शिफ्ट करने में देरी से काम प्रभावित हो सकता है।

जयपुर के प्रमुख मार्गों पर विकसित होगा मेट्रो नेटवर्क: मुख्यमंत्री

जयपुर मेट्रो के दूसरे चरण का काम जल्द शुरू होगा। इसके संकेत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिए। मुख्यमंत्री कार्यालय में बैठक के दौरान शहर के यातायात प्रबंधन और सुधार को लेकर चर्चा की। जनसंख्या घनत्व और ट्रैफिक के दबाव को ध्यान में रखते हुए भविष्य में दिल्ली रोड और सीकर रोड सहित अन्य

सीधे मेट्रो स्टेशन से जुड़ेगा जयपुर जंक्शन, मिलेगी एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर में रेल यात्रियों के लिए सुविधाओं का नया दौर शुरू हो गया है। एक ओर गांधीनगर रेलवे स्टेशन की नई बिल्डिंग में यात्रियों की आवाजाही और टिकट बुकिंग शुरू हो गई है, वहीं दूसरी ओर जयपुर जंक्शन पर री-डवलपमेंट के तहत बड़े बदलाव आकार ले रहे हैं। बहुत संभव है एक साल बाद जयपुर जंक्शन आधुनिक सुविधाओं के साथ एयरपोर्ट जैसी अनुभूति देने वाला स्टेशन बन जाएगा। गांधीनगर स्टेशन पर री-डवलपमेंट के बाद नई बिल्डिंग बनकर तैयार हो गई है। बजाज नगर की ओर बनी बिल्डिंग में यात्रियों की आवाजाही शुरू हो चुकी है। यहां टिकट बुकिंग और रिजर्वेशन काउंटर भी संचालित हो रहे हैं। एक सप्ताह में वेटिंग एरिया भी शुरू हो जाएगा। स्टेशन पर लिफ्ट, एस्केलेटर और पार्किंग सहित कई अन्य सुविधाएं तैयार हो चुकी हैं। टोंक रोड की ओर बनी बिल्डिंग में भी इस महीने के अंत तक यात्री सुविधाएं शुरू हो जाएंगी, जहां फिलहाल फिनिशिंग का काम चल रहा है। स्टेशन के कॉनकोर्स पर रेस्टोरेंट, फूड कोर्ट सहित अन्य सुविधाएं भी अगले दो से तीन महीने में शुरू हो सकती हैं। कुल मिलाकर, टिनशेड से निजात मिलने के बाद यात्रियों को अब बेहतर और व्यवस्थित माहौल मिलने लगा है।

वर्ल्ड क्लास स्टेशन अगले साल जून तक

जयपुर जंक्शन पर री-डवलपमेंट का काम 70 फीसदी तक पूरा हो चुका है। सेकंड एंट्री बनकर तैयार है और इसके उद्घाटन की तैयारी चल रही है। मुख्य बिल्डिंग के तहत स्टेशन को मेट्रो स्टेशन से जोड़ा जाएगा, जिससे यात्री बिना बाहर निकले ही ट्रांसपोर्ट बदल सकेंगे। इस दिशा में गर्डर लॉन्च हो चुके हैं और कॉनकोर्स एरिया भी तैयार हो गया है। स्टेशन को हैरिटेज लुक दिया जा रहा है। यहां बेबी फीडिंग रूम, लाउंज, रेस्टोरेंट, फूड कोर्ट, आधुनिक वेटिंग हॉल,पार्किंग में ई-चार्जिंग स्टेशन, फास्टैग पार्किंग और बस, कैब व ऑटो के लिए अलग स्टैंड जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। दावा है कि अगले साल जून तक यह स्टेशन वर्ल्ड क्लास बनकर तैयार हो जाएगा और यात्रियों को यहां एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं मिलेगी।

'माय भारत बजट क्वेस्ट' का भव्य समापन; मुख्यमंत्री का विजेताओं से संवाद

विकसित भारत @2047 के विज़न को नई ऊर्जा देंगे राजस्थान की युवा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजधानी जयपुर 'अमृत पीढ़ी' के उत्साह और विकसित भारत के संकल्प की साक्षी बनी। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (RIC) में आयोजित 'माय भारत बजट क्वेस्ट - राजस्थान युवा संवाद' के मुख्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो संदेश के माध्यम से युवाओं को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि राजस्थान के युवाओं का आत्मविश्वास और उनके नवाचारी विचार वर्ष 2047 तक विकसित भारत की मजबूत नींव रख रहे हैं। उन्होंने बताया कि MY भारत बजट क्वेस्ट 2026 युवाओं को अपने इनोवेटिव आइडिया, ज़मीनी अनुभव और बजट पर विचार साझा करने का एक सशक्त मंच प्रदान करता है। उन्होंने युवाओं को "भविष्य के आर्किटेक्ट" बताते हुए कहा कि उनकी ऊर्जा, विचार और सहभागिता भारत की विकास यात्रा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। देशभर से युवाओं की बड़ी भागीदारी इस पहल की सफलता का प्रमाण है।

नीति और विकास पर नेताओं के विचार

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026 लोगों और उनकी क्षमताओं को नीति के केंद्र में रखता है। शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार पर केंद्रित निवेश विकसित भारत की दिशा तय करता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बजट में Ease of Doing Business को बढ़ावा देने के साथ-साथ बुनियादी ढांचे, विनिर्माण और पूंजीगत व्यय को प्राथमिकता दी गई है, जिससे भारत वैश्विक उद्यमिता केंद्र बन सके। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने कहा कि यह बजट मानव संसाधन विकास को केंद्र में रखता है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि महिलाओं के नेतृत्व में समावेशी विकास सतत प्रगति का आधार है। कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि इस तरह के संवाद से युवाओं की नीति निर्माण में सार्थक भागीदारी बढ़ती है। कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है और रोजगार सृजन में कृषि की अहम भूमिका है। उन्होंने पॉलीहाउस, मल्चिंग और लो टनल जैसी संरक्षित खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विजेताओं से वर्चुअल संवाद

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बाबा साहब को दी श्रद्धांजलि

बाबा साहब द्वारा रखी गई नींव को आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी-दीया

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित 'अंबेडकर जयंती समारोह' में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने भाग लेकर डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धापूर्वक नमन किया और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। यह कार्यक्रम डॉ. भीमराव अंबेडकर विचार मंच समिति द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बाबा साहब के महान विचारों, संविधान निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान तथा सामाजिक समरसता के लिए किए गए संघर्ष को याद किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का जीवन हमें समानता, न्याय और अधिकारों के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा देता है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहब द्वारा रखी गई नींव को आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान की पूरे विश्व में अलग पहचान है और देश निरंतर अंबेडकर जी के आदर्शों पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि हर नागरिक को समान अवसर मिले, यह बाबा साहब का सपना था, जिसे आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ाया जा रहा है। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री झाबर सिंह खर्रा, रिटायर्ड आईएएस के.सी. वर्मा व जी.सी. राय, जनजाति कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सामरीया, एसएमएस हॉस्पिटल के प्रोफेसर डॉ. सुनील चौहान, डॉ. भजन लाल रोलण, सुभाष गोयल, राम अवतार शर्मा, कालूराम बुनकर, सुधीर अग्रवाल, श्री अरुण गुप्ता, बंशीधर रांगेरा, मंडल अध्यक्ष राकेश अग्रवाल, पार्षद सुमन गुप्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

राजधानी में नहीं लगेगा जाम, खुद बदलेंगी ट्रेफिक लाइटें!

ट्रैफिक जाम को खत्म करने के लिए सरकार का ब्लूप्रिंट तैयार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सड़कों पर लगने वाले लंबे जाम और ट्रैफिक की किच-किच को खत्म करने के लिए राजस्थान सरकार ने एक बड़ा मास्टर प्लान तैयार किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आदेश पर बनी इस योजना का मकसद सिर्फ ट्रैफिक रोकना नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम को हाई-टेक और स्मार्ट बनाना है। अब जयपुर का ट्रैफिक सिस्टम पुराने ढर्रे पर नहीं, बल्कि नई तकनीक और ज्यादा पुलिस फोर्स के साथ चलेगा।

अफसरों की संख्या बढ़ी, हर इलाके पर होगी पैनी नजर

शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को संभालने के लिए सरकार ने पुलिस अधिकारियों की टीम को काफी बड़ा कर दिया है। पहले निगरानी के लिए एडीसीपी ट्रैफिक के 2 पद थे जिन्हें अब बढ़ाकर 4 कर दिया गया है। इसी तरह एसीपी ट्रैफिक के पदों को 4 से बढ़ाकर 8 और ट्रैफिक इंस्पेक्टरों की संख्या 15 से बढ़ाकर 20 कर दी गई है। इससे फायदा यह होगा कि जयपुर के हर कोने में एक बड़ा अधिकारी मौजूद रहेगा और जमीनी स्तर पर काम बेहतर होगा।

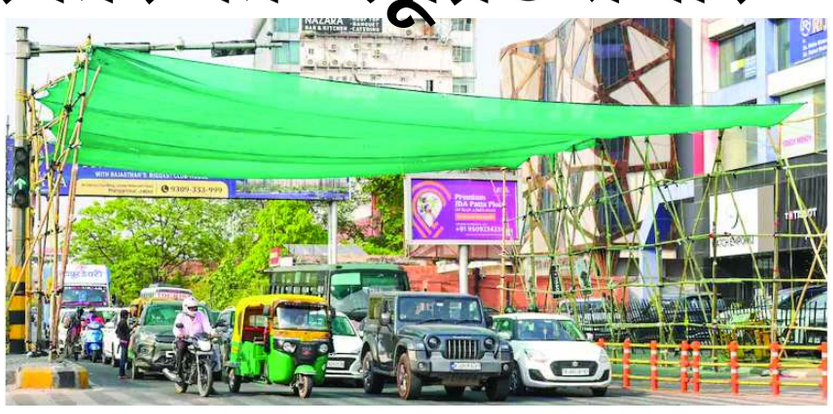

ड्रोन कैमरों से निगरानी, 72 बीट्स का शहर को बांटा

अब ट्रैफिक पुलिस सिर्फ चौराहों पर खड़ी नजर नहीं आएगी, बल्कि आसमान से भी ड्रोन के जरिए आप पर नजर रखी जाएगी। पूरे शहर को 72 ट्रैफिक बीट्स में बांटा गया है, जहां अलग-अलग टीमें तैनात रहेंगी ताकि पीक ऑवर्स में जाम की स्थिति न बने। इसके साथ ही ट्रैफिक पुलिस को 20 मॉडिफाइड मोटरसाइकिलें दी गई हैं, ताकि पुलिसकर्मी भीड़भाड़ वाली तंग गलियों में भी तुरंत पहुंच सकें और जाम खुलवा सकें।

टोंक रोड को बनाया जाएगा सबसे बेहतरीन रास्ता

इस नए प्लान के तहत सबसे पहले टोंक रोड की सूरत बदली जाएगी। यादगार से लेकर सांगानेर तक के रास्ते को एक 'मॉडल रोड' के तौर पर विकसित किया जा रहा है। यहां सड़कों के डिजाइन को इस तरह ठीक किया जाएगा कि बेवजह के कट्स बंद हों और पैदल चलने वालों के लिए फुटपाथ साफ मिले। सड़क पर यू-टर्न और क्रॉसिंग को वैज्ञानिक तरीके से सेट किया जाएगा ताकि गाड़ियों की रफ्तार न थमे।

गाड़ियों की संख्या देखकर बदलेगी लाइट

अब आपको लाल बत्ती पर बेवजह लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। सरकार 'इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम' लागू करने जा रही है, जिससे सिग्नल अब 'डायनेमिक' होंगे। यानी लाइटें खुद गाड़ियों की भीड़ को देखकर तय करेंगी कि किधर का रास्ता कितनी देर खोलना है। सरकार का मानना है कि अगर जनता और प्रशासन साथ दें, तो जयपुर की सड़कों को वाकई में जाम मुक्त और सुरक्षित बनाया जा सकता है।

प्रदेश में खरीफ 2026 हेतु उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता

अनियमितता पाये जाने पर संबंधित उर्वरक विक्रेताओं को बख्शा नही जायेगा-कृषि मंत्री

उर्वरकों के अवैध भण्डारण, डायवर्जन, कालाबाजारी रोकने हेतु विभाग द्वारा सख्ती से की जा रही कार्यवाही

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार और कृषि विभाग द्वारा खरीफ 2026 में मांग अनुसार उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। उर्वरकों की कालाबाजारी, डायवर्जन व जमाखोरी को रोकने के लिए कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रदेश भर में जिला, उपखण्ड एवं ग्राम पंचायत स्तर पर उर्वरक विक्रेताओं, यूरिया के गैर कृषि कार्य में उपयोग करने वाली उत्पादन ईकाईयों यथा प्लाईवुड, रेजिन, डेफ, पशु आहार के परिसरों में सघन निरीक्षण किया जा रहा है एवं अनियमितता पाये जाने पर कठोर कार्यवाही की जा रही है।

कृषि मंत्री डा. किरोडी लाल ने बताया कि राज्य में 13 अप्रेल को सहकारी व निजी क्षैत्र में 3 लाख 84 हजार मैट्रिक टन यूरिया, 71 हजार मैट्रिक टन डीएपी, 67 हजार मैट्रिक टन एनपीके एवं 2 लाख 13 हजार मैट्रिक टन एसएसपी उर्वरकों का स्टॉक उपलब्ध है व आपूर्ति निरन्तर जारी है। राज्य सरकार द्वारा उर्वरकों की उपलब्धता में कमी नही आने दी जायेगी। विगत वर्षो व अन्य राज्यों की तुलना में इस वर्ष अधिक मात्रा में समस्त प्रकार के

उर्वरकों की उपलब्धता है। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा यूरिया के डायवर्जन, काला बाजारी एवं जमाखोरी को रोकने हेतु गुण नियंत्रण अभियान 29 मार्च से चलाया जा रहा है तथा दिनांक 11 अप्रेल से विषेष अभियान चलाया जाकर पूरे प्रदेश में उर्वरकों के विक्रय, अवैध भण्डारण, कालाबाजारी व अनुदानित यूरिया के दुरुपयोग को रोकने के लिये औचक निरीक्षण कर छापेमारी की कार्यवाही की गई है। आयुक्त कृषि नरेश कुमार गोयल के नेतृत्व में 11 अप्रेल को उर्वरक विक्रेताओं व कालाडेरा औद्योगिक क्षैत्र में संचालित प्लाईवुड निर्माण ईकाईयों पर यूरिया के दुरुपयोग की आशंका के मध्यनजर छापेमारी की गई। विभाग द्वारा उक्त अवधि में 2793 निरीक्षण कर अनियमितता करने वाले विक्रेताओं के विरुद्व 437 उर्वरक विक्रेताओं को कारण बताओं नोटिस जारी किये, 23 विक्रेताओं के उर्वरक विक्रय पर रोक लगाई गई, 38 उर्वरक विक्रय प्राधिकार पत्र निलम्बित किये जाकर एफआईआर हेतु 01 शिकायत दर्ज कराई गई है एवं उर्वरक निरीक्षकों द्वारा निरन्तर कार्यवाही जारी है। प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी मंजू राजपाल द्वारा कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड में अंकित सिफारिशानुसार ही उर्वरकों के उपयोग हेतु प्रेरित करने, हरी खाद का उपयोग करने, जैविक खेती व प्राकृतिक खेती को बढावा देने तथा उर्वरकों का समान रूप से पारदर्शिता के साथ वितरण कराने और उर्वरक वितरण में अनियमितता बरतने वाले विक्रेताओं, जमाखोरों और कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध कठौर कार्यवाही हेतु समस्त जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर राज्यपाल ने उनके आदर्श अपनाने का किया आह्वान

राज्यपाल ने बाबा साहेब अम्बेडकर को श्रद्धा-सुमन किए अर्पित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर अम्बेडकर सर्किल पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। राज्यपाल बागडे ने इस दौरान बाबा साहेब द्वारा वंचित वर्ग के कल्याण के लिए किए कार्यों, संविधान निर्माण और सामाजिक समरसता के अतुलनीय योगदान को याद किया। उन्होंने सभी से बाबा साहेब के आदर्शों के अनुसरण का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री शर्मा ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को जयपुर में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के मौके पर अंबेडकर सर्किल स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने बाबा साहेब को सामाजिक न्याय, भेदभाव उन्मूलन और वंचितों, महिलाओं सहित समाज के सभी वर्गों के लिए बराबरी के अधिकारों का अग्रदूत बताते हुए उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, सांसद मंजू शर्मा, विधायक गोपाल शर्मा, बालमुकुंदाचार्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर भी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

अग्निशमन सेवाओं को सुदृढ़ एवं आधुनिक बनाने के लिए प्रयासरत है सरकार-खर्रा

राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस पर अग्निशमन कर्मियों को किया नमन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस के अवसर पर प्रदेश के समस्त अग्निशमन कर्मियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं अभिनंदन प्रेषित किया है। खर्रा ने अपने संदेश में कहा कि यह दिवस उन वीर अग्निशमन जवानों के अदम्य साहस, समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक है, जो हर परिस्थिति में अपने प्राणों की परवाह किए बिना जन-जीवन एवं संपत्ति की रक्षा में तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि अग्निशमन सेवा केवल एक विभाग नहीं, बल्कि सुरक्षा, सेवा और संवेदनशीलता का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि आपदा या संकट की घड़ी में अग्निशमन कर्मी बिना किसी भय के अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं। उनका अनुशासन, तत्परता और मानवीय दृष्टिकोण समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। नगरीय विकास मंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक रहें, आवश्यक सावधानियों का पालन करें तथा किसी भी आपात स्थिति में संयम एवं सहयोग का परिचय दें। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी सतर्कताएं बड़े हादसों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

राजस्थान ट्रेड प्रमोशन पॉलिसी 2025: ऑनलाइन आवेदन शुरू

10.5 लाख से अधिक खुदरा व्यापारियों को मिलेगा व्यापार बढ़ाने का अवसर-राठौड़

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश के व्यापारियों को प्रोत्साहित करने के लाई गई राजस्थान ट्रेड प्रमोशन पॉलिसी-2025 के तहत आवेदन शुरू हो गए हैं। स्वयं की एसएसओ आईडी या ई-मित्र के माध्यम से आवेदन किए जा सकते हैं। इस नीति के तहत खुदरा व्यापारियों को 2 करोड़ रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। इसपर राज्य सरकार 6 प्रतिशत तक ब्याज अनुदान और इंश्योरेंस प्रीमियम पर 50 प्रतिशत तक की सहायता सहित अन्य लाभ देगी।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बताया कि राजस्थान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में व्यापार क्षेत्र में इस प्रकार की नीति पहली बार लाई गई है। इसका उद्देश्य प्रदेश के छोटे व्यापारियों को बड़े ट्रेड, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और लॉजिस्टिक नेटवर्क जैसे समान अवसर उपलब्ध कराना है। इससे व्यापार क्षेत्र में निवेश वृद्धि होने के साथ ही रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

10.5 लाख से अधिक खुदरा व्यापारी बढ़ायेंगे व्यापार

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बताया कि इस नीति से राज्य का खुदरा और थोक व्यापार सशक्त होगा। यह नीति राज्य में 10.5 लाख से अधिक रिटेल स्टोर्स और तेजी से बढ़ते उपभोक्ता बाजार को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है। यह व्यापार क्षेत्र में निवेश बढ़ाने, रोजगार सृजन करने, छोटे ट्रेडर्स को बाजार एवं ऋण तक आसान पहुंच उपलब्ध करवाने तथा खुदरा व थोक व्यापार में एमएसएमई उद्यमों के विकास के लिए कार्य करेगी। नए सूक्ष्म व्यापारी उद्यमों की स्थापना के लिए एक करोड़ रुपये तक के ऋण पर 6 प्रतिशत तथा एक करोड़ से 2 करोड़ रुपये तक के ऋण पर 4 प्रतिशत तक ब्याज अनुदान दिया जाएगा। महिला, एससी, एसटी, दिव्यांगजन व्यापारियों को एक करोड़ से अधिक एवं 2 करोड़ रुपये तक के ऋण पर एक प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज अनुदान देय होगा। सीजीटीएमएसई (सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट) योजना के तहत 5 करोड़ रुपये तक के ऋण के कवरेज के लिए देय गारंटी फीस का 5 वर्षों तक 50 प्रतिशत पुनर्भरण किया जाएगा। सूक्ष्म व्यापारी उद्यमों को 5 वर्ष तक इंश्योरेंस प्रीमियम पर 50 प्रतिशत (अधिकतम 1 लाख रुपये प्रति वर्ष) तक की सहायता का प्रावधान है। ई-कॉमर्स के प्रयोग को प्रोत्साहन के लिए एक वर्ष तक प्लेटफॉर्म फीस का 75 प्रतिशत (अधिकतम 50 हजार रुपये) तक की सहायता दी जाएगी।

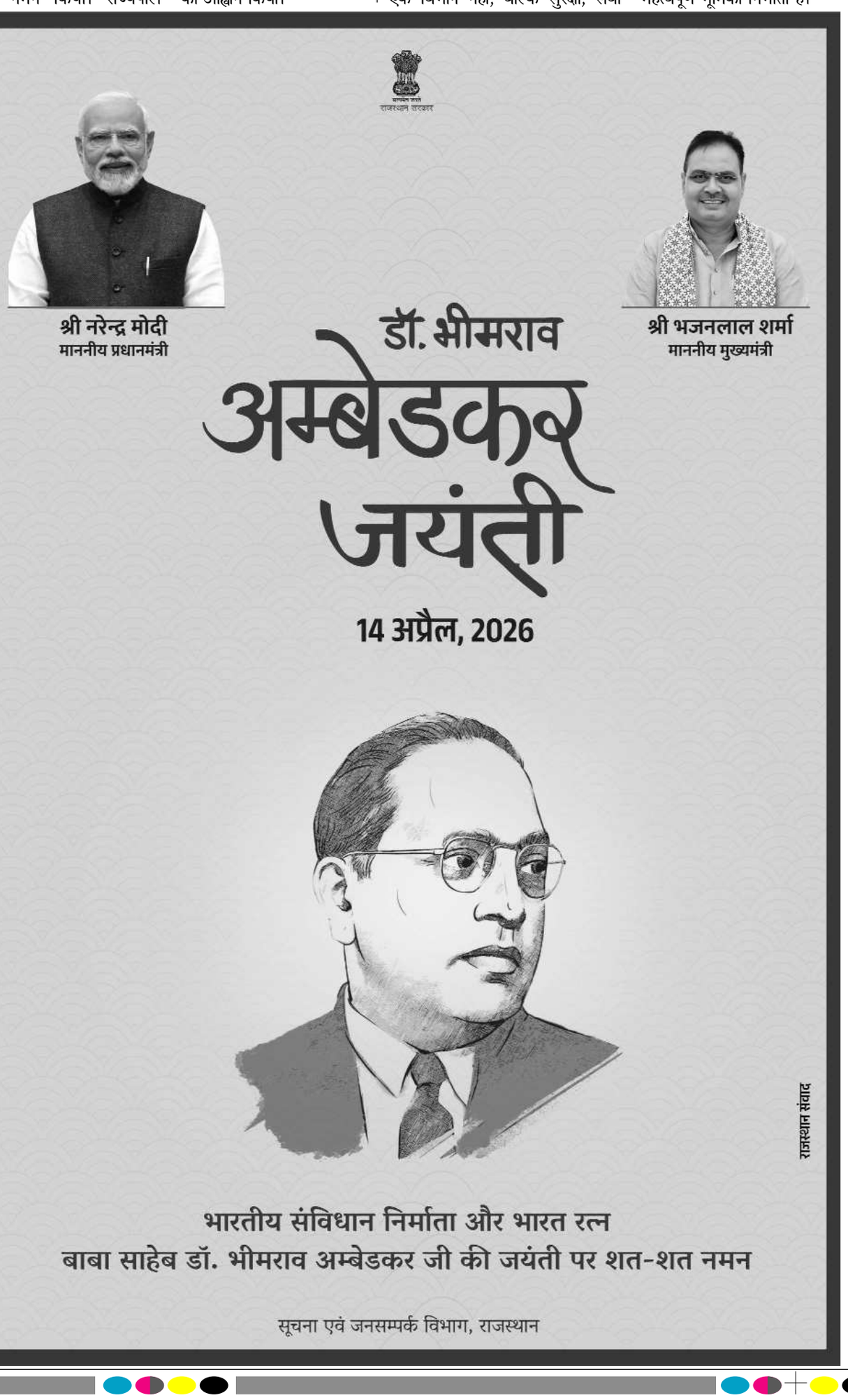

सम्पादकीय

UP फ्रॉड पर RBI का एक्शन डिजिटल सुरक्षा के लिए जरूरी

अपनी शुरुआत के एक दशक बाद यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई देश की डिजिटल भुगतान व्यवस्था का अनिवार्य अंग बन चुका है। यह तेज गति से मुद्रा हस्तांतरण से लेकर परस्पर संचालन के जरिये विभिन्न प्लेटफॉर्म और संस्थानों के बीच अबाध गति से लेनदेन सुनिश्चित करता है। 45 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ताओं के साथ यह हर माह करीब 22 अरब लेनदेन करता है और मार्च में इस लेनदेन का मूल्य करीब 29.5 लाख करोड़ रुपये रहा। इस प्रकार इसने भारतीयों के लेनदेन के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। बहरहाल, एक ओर जहां वृद्धि में अब धीमापन आ रहा है वहीं धोखाधड़ी का जोखिम लगातार बढ़ रहा है।

राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार धोखाधड़ी के रिपोर्ट हुए मामले 2021 के 2.6 लाख से बढ़कर 2025 में करीब 28 लाख तक पहुंच गए। इनका सालाना मूल्य 22,000 करोड़ रुपये का स्तर पार कर गया। ध्यान देने वाली बात है कि धोखाधड़ी के 98.5 फीसदी मामले 10,000 रुपये से अधिक मूल्य के थे। इस संदर्भ में हाल ही में रिजर्व बैंक की ओर से जारी परिचर्चा पत्र 'एक्सप्लोरिंग सेफगार्ड्स इन डिजिटल पेमेंट्स टु कर्ब फ्रॉड्स' में यह प्रस्ताव रखा गया है कि उच्च मूल्य के नकदी हस्तांतरण में एक घंटे का विलंब किया जाए। साथ ही, वरिष्ठ नागरिक अगर 50,000 रुपये से अधिक का लेनदेन करें तो किसी विश्वसनीय व्यक्ति द्वारा उसका प्रमाणन किया जाए। कम क्रेडिट टर्नओवर खातों के लिए 25 लाख रुपये वार्षिक प्रवाह सीमा और एक 'व्हाइटलिस्टिंग' (चुनिंदा विश्वसनीय चीजों को अनुमति देना बाकी को रोक देना) तंत्र का प्रस्ताव रखा गया है, जिसके तहत भुगतानकर्ता कुछ लेनदेन को अधिकृत कर सकते हैं ताकि वे विलंब को दरकिनार कर सकें।

रिजर्व बैंक ने यह सही चिह्नित किया है कि धोखाधड़ी की प्रकृति भी बदली है। आज धोखाधड़ी के अधिकांश मामले ऐप्स से होते हैं या अधिकृत पुश भुगतान से होते हैं। उपयोगकर्ताओं के साथ धोखा करके छद्म कॉल, छद्म पहचान या आकस्मिक जरूरत का हवाला देकर उनसे पैसे ले लिए जाते हैं। यूपीआई जैसी रियल टाइम प्रणाली में एक बार पैसा चला जाने के बाद उसकी वसूली करना मुश्किल होता है। यही वजह है कि बचाव और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। उच्च-मूल्य हस्तांतरणों के लिए प्रस्तावित एक घंटे की देरी उपयोगकर्ताओं को लेनदेन पर पुनर्विचार या उसे रद्द करने का एक अवसर दे सकती है, और बैंकों को संदिग्ध गतिविधियों को चिह्नित करने का समय मिल सकता है। सिंगापुर, ब्रिटेन और स्वीडन जैसे देशों के अनुभव से पता चलता है कि ऐसी 'कूलिंग-ऑफ' अवधि धोखाधड़ी को कम कर सकती हैं। यह सब नियमित भुगतानों को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित किए बिना हो सकता है। यद्यपि कुछ ढांचागत दिक्कतें बरकरार हैं। लेनदेन में देरी यूपीआई के त्वरित भुगतान के बुनियादी वायदे के विरुद्ध है। बैंकों को भी अलर्ट और धन वापसी आदि की नई प्रणालियों में निवेश करना होगा। इससे लागत और समन्वय की चुनौतियां बढ़ेंगी। धोखाधड़ी करने वाले उपयोगकर्ताओं को 'व्हाइटलिस्टिंग' के माध्यम से सुरक्षा उपायों को दरकिनार करने के लिए भी मना सकते हैं। 'विश्वसनीय व्यक्ति' द्वारा प्रमाणीकरण भी वास्तविक लेनदेन में देरी कर सकता है।

इसलामाबाद की धरती पर अमेरिका-ईरान वार्ता की असफलता के क्या है मायने

ज्ञानेन्द्र मिश्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पाकिस्तान लंबे समय से अमेरिका और ईरान दोनों के साथ संतुलन साधने की कोशिश करता रहा है। एक ओर वह अमेरिका का रणनीतिक साझेदार रहा है, वहीं दूसरी ओर ईरान के साथ उसकी भौगोलिक निकटता और ऊर्जा हित जुड़े हुए हैं। हाल के वर्षों में पाकिस्तान ने मध्यस्थ की भूमिका निभाने की इच्छा जताई है लेकिन उसकी आंतरिक अस्थिरता, सीमित कूटनीतिक प्रभाव और सुरक्षा चुनौतियाँ उसे एक प्रभावी मध्यस्थ बनने से रोकती हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच चल रही शांति वार्ता का असफल होना केवल दो देशों के रिश्तों में दरार भर नहीं है बल्कि इसका असर पूरे पश्चिम एशिया की स्थिरता, वैश्विक ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति पर पडने वाला है। यह विफलता कई स्तरों पर गंभीर संकेत देती है। यह पश्चिम एशिया की जटिल भू-राजनीति, अविश्वास और क्षेत्रीय शक्तियों की प्रतिस्पर्धा का भी प्रतिबिंब है। यह कहना कि इस विफलता के लिए पाकिस्तान पूरी तरह जिम्मेदार है, एक अतिसरलीकरण होगा–हालांकि उसकी भूमिका को नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। यह वार्ता ही बेईमानी थी कि क्योंकि लेबनान में इजरायल की बमबारी कर रहा था जिस पर ईरान ने अपना विरोध दर्ज कराया था। वहीं ईरान की दस सूत्री बातें अमेरिका शुरु से मानने से इंकार कर रहा था। अब ऐसे में वार्ता हुई जो बताया जा रहा है पाकिस्तान ने एक दूसरे देश की बातें साझा की जो वार्ता का हल ही अस्पष्ट कर देती है। पाकिस्तान से जाते समय अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी बेंस ने भी वार्ता फेल की जानकारी दी।

इस शांति वार्ता के फेल होने के कई कारण हैं। सबसे पहले, यह क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ाने का संकेत है। पहले से ही इज़ायल, लेबनान, यमन और खाड़ी क्षेत्र में तनाव मौजूद है। ऐसे में वार्ता का टूटना टकराव की संभावना को और बढ़ा सकता है। ईरान समर्थित समूहों और अमेरिका समर्थित शक्तियों के बीच परोक्ष संघर्ष तेज हो सकता है। दूसरा बड़ा प्रभाव वैश्विक तेल बाजार पर पड़ सकता है। ईरान एक बड़ा तेल उत्पादक देश है और उस पर लगे प्रतिबंधों में ढील की उम्मीद से बाजार में संतुलन बन सकता था लेकिन वार्ता विफल होने से तेल की कीमतों में अस्थिरता बढ़ सकती है जिसका असर भारत जैसे आयातक देशों पर सीधे पड़ेगा। तीसरा, यह अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की सीमाओं को उजागर करता है। वर्षों से चल रही बातचीत के बावजूद यदि कोई ठोस परिणाम नहीं निकलता तो यह दर्शाता है कि आपसी अविश्वास और राजनीतिक हित शांति के रास्ते में बड़ी बाधा बने हुए हैं। इससे भविष्य में अन्य वैश्विक वार्ताओं पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। चौथा, परमाणु कार्यक्रम को लेकर चिंताएं और बढ़ेंगी। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने का उद्देश्य इस वार्ता का मुख्य आधार था। अब इसके विफल होने से परमाणु हथियारों की होड़ तेज होने का खतरा है, जिससे वैश्विक सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लग सकता है। यह विफलता एक चेतावनी है कि केवल बातचीत की मेज पर बैठना ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि विश्वास निर्माण और ठोस राजनीतिक इ'छाशक्ति भी जरूरी है। यदि विश्व शक्तियां समय रहते समाधान नहीं निकाल पातीं, तो इसका खामियाजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ सकता है।

वहीं पाकिस्तान की भूमिका की बात की जाये तो पाकिस्तान लंबे समय से अमेरिका और ईरान दोनों के साथ संतुलन साधने की कोशिश करता रहा है। एक ओर वह अमेरिका का रणनीतिक साझेदार रहा है, वहीं दूसरी ओर ईरान के साथ उसकी भौगोलिक निकटता और ऊर्जा हित जुड़े हुए हैं। हाल के वर्षों में पाकिस्तान ने मध्यस्थ की भूमिका निभाने की इच्छा जताई है लेकिन उसकी आंतरिक अस्थिरता, सीमित कूटनीतिक प्रभाव और सुरक्षा चुनौतियाँ उसे एक प्रभावी मध्यस्थ बनने से रोकती हैं। इसके अलावा, पाकिस्तान की भूमिका को लेकर संदेह भी बना रहता है। अमेरिका को यह आशंका रही है कि पाकिस्तान क्षेत्र में अपने हितों को साधने के लिए ईरान के साथ दोहरी नीति अपनाता है जबकि ईरान भी पाकिस्तान की सऊदी अरब के साथ निकटता को लेकर सतर्क रहता है। ऐसे में यदि वार्ता के दौरान पाकिस्तान की कोई अप्रत्यक्ष भूमिका रही भी हो, तो वह निर्णायक नहीं कही जा सकती। वास्तव में, अमेरिका और ईरान के बीच अविश्वास की खाई बहुत गहरी है– परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंध, और क्षेत्रीय प्रभाव को लेकर दोनों देशों के बीच लंबे समय से टकराव चला आ रहा है। इन मूल मुद्दों का समाधान किए बिना किसी तीसरे देश को दोष देना वास्तविकता से मुंह मोडने जैसा होगा। पाकिस्तान इस कूटनीतिक परिदृश्य में एक सीमित और परोक्ष भूमिका निभाता है, लेकिन वार्ता की विफलता का मुख्य कारण नहीं है। यह विफलता अधिकतर अमेरिका और ईरान के बीच गहरे मतभेदों और पारस्परिक अविश्वास का परिणाम है, जिसे किसी एक बाहरी कारक पर थोपना न तो उचित है और न ही व्यावहारिक। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका का ईरान के प्रति रुख एक जटिल रणनीतिक संतुलन पर टिका हुआ दिखाई देता है। एक ओर वह प्रत्यक्ष युद्ध से बचना चाहता है, तो दूसरी ओर ईरान की क्षेत्रीय गतिविधियों और परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर सख्त नियंत्रण भी बनाए रखना चाहता है। यही द्वंद्व आने वाले समय में उसकी नीति की दिशा तय करेगा। सबसे पहले, अमेरिका की प्राथमिकता पूर्ण युद्ध से बचाव है। इराक, अफगानिस्तान जैसे लंबे और महंगे सैन्य अभियानों के अनुभव ने उसे सिखाया है कि मध्य-पूर्व में सीधा युद्ध केवल अस्थिरता बढ़ाता है। इसलिए वह ईरान के साथ सीधे सैन्य टकराव के बजाय नियंत्रित दबाव की नीति अपना रहा है। दूसरा, अमेरिका आर्थिक और कूटनीतिक प्रतिबंधों को और सख्त कर सकता है। ईरान के तेल निर्यात, बैंकिंग प्रणाली और रक्षा सहयोग पर रोक लगाकर वह उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग करने की कोशिश करेगा। साथ ही, वह यूरोपीय देशों और खाड़ी सहयोगियों को भी अपने साथ जोड़कर एक संयुक्त मोर्चा बनाने की दिशा में काम करेगा। तीसरा, अमेरिका की रणनीति में प्रत्यक्ष नहीं, परोक्ष सैन्य उपस्थिति भी महत्वपूर्ण रहेगी। खाड़ी क्षेत्र में अपने सैन्य ठिकानों को मजबूत करना, इज़ायल और सऊदी अरब जैसे सहयोगियों को समर्थन देना, और जरूरत पडने पर सीमित सैन्य कार्रवाई करना– ये सभी कदम उसकी डिटरेंस नीति का हिस्सा होंगे।

(ये लेखक के अपने विचार है)

इतिहास में अंकित एक स्वर्णिम नाम लौहपुरुष वल्लभ भाई पटेल

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

साधारण व्यक्ति के जीवन में जो अघटित संभावना प्रतीत होती है, वही घटना बड़े आदमी जीवन में एक स्वाभाविक प्रेरणा प्रसंग बन कर उजागर होती है।वल्लभ भाई पटेल का विराट व्यक्तित्व बड़ा ऊर्जावान था। स्नेह और करुणा पूरित आंखें और ओजस्वी वाणी किसी को भी अपनी तरफ़ आकर्षित करने में सक्षम थीं। बात तब की है जब वल्लभ भाई पटेल ने मैट्रिक की परीक्षा पास की थी।

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

परिवार के आर्थिक हालात अच्छे नहीं थे। इसलिए आगे पढ़ने की इच्छा को दबा कर उन्होंने 'मुख्तारी' परीक्षा पास की और वर्ष 1900 में गोधरा में फौजदारी के मुकदमो में प्रैक्टिस शुरू की। जब उनके पास पर्याप्त धन एकत्रित हो गया तो उच्च शिक्षा के लिए उनकी अभिलाषा जागृत हो गई।

उसी दौरान वल्लभ भाई पटेल के बड़े भाई ने विदेश जाने का मन बना लिया तो उनके प्रति प्रेम का परिचय देते हुए उन्हें विलायत भेज कर वक़ालत की शिक्षा दिलवाई। उन्होंने स्वयं भी बाद में 1910 में सक्षम होने पर विदेश जाकर बैरिस्टरी की उच्च शिक्षा प्राप्त की। सन 1913 में वे स्वदेश लौट आए। फिर उनकी शादी हुई। वह एक पुत्री और एक पुत्र के पिता बन गए। वल्लभ भाई पटेल की दिनचर्या में जन सेवा प्राथमिकता बन गई थी। उनके दरवाज़े से कोई भिखारी खाली हाथ नहीं जाता था। सन 1908 में जब वल्लभ भाई और उनकी धर्मपत्नी प्लेग की महामारी से पीड़ित जनता की सेवा में लगे हुए थे तब प्लेग शांत होने के बाद वो करमसद पहुंचे, तभी उनकी श्रीमती जी बीमार पड़ गईं। उन्हें मुंबई अस्पताल में भर्ती करवा कर वल्लभ भाई एक मुकदमे की पैरवी करने नाडियाड चले गए। न्यायाधीश के समक्ष जब वो सम्बन्धित केस में तर्क प्रस्तुत कर रहे थे तभी उन्हें एक तार मिला। उन्होंने खोलकर पढ़ा। वापस जेब में रखा और उनका तर्क देना जारी रहा।

बाद में वकील मित्र ने जब उनसे पूछा तो उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी की मृत्यु का समाचार था तो वो अचंभित होकर उन्हें देखता रह गया। वकील मित्र ने पूछा, इतनी बड़ी दुर्घटना हो गई,फिर भी तुम बहस क्यों करते रहे।वल्लभ भाई बोले, और क्या करता,वो तो चली गई। क्या अभियुक्त को भी चला जाने देता? देश की आज़ादी के बाद भारत की 600 रियासतों के एकीकरण की जिम्मेदारी बतौर उपप्रधान मंत्री और गृहमंत्री उन्होंने बड़ी कुशलता से निभाई। ये असाधारण कार्य था, जो उन जैसा दृढ़ संकल्पित व्यक्ति ही निभा सकता था।

वल्लभ भाई कर्तव्य पथ के अडिग और सदा अविचलित पथिक रहे। सही मायने में वो गीता के स्थितप्रज्ञ कर्मयोगी थे। जो आज भी प्रेरणा स्तम्भ की तरह प्रकाश विकीर्ण कर रहें हैं।इतिहास के पन्नों में उनका स्वर्णिम नाम लौह पुरुष सरदार पटेल के रूप में सदैव याद किया जाएगा।

लापरवाही की तेज रफ्तार कुचल रही जिंदगियां

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सड़क हादसों की समस्या केवल सरकार के प्रयासों से हल नहीं होगी, बल्कि इसमें आम नागरिकों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। यदि हर व्यक्ति जिम्मेदारी से वाहन चलाए, ट्रैफिक नियमों का पालन करे और दुर्घटना के समय मानवता दिखाए, तो इन घटनाओं में निश्चित रूप से कमी लाई जा सकती है।

राजस्थान की राजधानी जयपुर की सड़कों पर दौड़ रही रफ्तार की तेजी के बीच मासूम जिंदगियों के मौत की भेंट चढ़ने का सिलसिला आम हो चला है। मामला ओवरस्पीड का हो या हिट एंड रन का, हालात कमोबेश यही हैं। इनको लापरवाही का नाम देकर कफन में दफन किया जा रहा है। ताजा उदाहरण जयपुर में हुई दो अलग घटनाएं हैं। पहली जहां महेश नगर इलाके में एक बेकाबू वैन ने घर के बाहर बैठी बुजुर्ग महिला को टक्कर मार दी, जिससे महिला की मौत हो गई। इसी तरह से झालाना क्षेत्र में आरआईसी सेंटर के नजदीक रात को एक बेकाबू कार ने एक पत्रकार युवक को टक्कर मार दी। इलाज के दौरान गंभीर हालत में उस पत्रकार की भी मौत हो गई। यह मात्र दो घटनाएं नहीं हैं, बल्कि आए दिन इस तरह के मामले देखने में आते हैं, जब बेकाबू वाहन से किसी न किसी निर्दोष की जान जाती रही है। ओवरस्पीड यानी रफ्तार की अंधी दौड़ न सिर्फ एक जिंदगी बल्कि उनके पीछे छूट रहे परिवारों के भविष्य को भी कुचल रही हैं। कभी नशा तो कभी रोमांच भी इसकी असली वजह बन रहा है। महज लापरवाही का नाम देकर क्लेम सेटलमेंट प्रावधान (हर्जाना) की कार्रवाई जान गंवाने वाले व्यक्ति और उनके परिवार के भविष्य का सौदा करने के लिए काफी है। यह बात सोचनीय है।

डॉ. मोनिका शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

जयपुर में सड़क दुर्घटनाएं लगातार गंभीर समस्या बनती जा रही हैं, जिनमें ओवरस्पीड, ड्रिंक एंड ड्राइव और हिट एंड रन के मामलों में भी चिंताजनक वृद्धि देखी जा रही है। ये घटनाएं न केवल कानून व्यवस्था को चुनौती देती हैं, बल्कि आम नागरिकों की सुरक्षा पर भी बड़ा खतरा पैदा करती हैं। हाल के वर्षों में सामने आए मामलों और उपलब्ध आंकड़ों से स्पष्ट है कि यह समस्या अब सामाजिक और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर ध्यान मांगती है। जयपुर और पूरे राजस्थान के आंकड़ों पर नजर डालें तो स्थिति चिंताजनक दिखाई देती है। वर्ष 2025 में जयपुर में घातक सड़क हादसों में लगभग 90 से अधिक लोगों की मौत दर्ज की गई।

वहीं राष्ट्रीय स्तर पर हिट एंड रन के मामलों में भी बढ़ोतरी देखी गई है, जो अप्रत्यक्ष रूप से राज्य की स्थिति को भी प्रभावित करती है। जयपुर में हाल ही में कई गंभीर घटनाएं सामने आई हैं। एक मामले में तेज रफ्तार कार ने कई लोगों को कुचल दिया, जबकि एक अन्य घटना में एक व्यक्ति को वाहन से घसीटते हुए मौत के घाट उतार दिया गया। ये घटनाएं दर्शाती हैं कि हिट एंड रन केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं, बल्कि वास्तविक जीवन में भयावह परिणाम सामने ला रहा है। इन मामलों के पीछे कई प्रमुख कारण हैं। सबसे बड़ा कारण है तेज रफ्तार, खासकर रात के समय या कम ट्रैफिक वाली सड़कों पर लोग वाहन तेजी से चलाते हैं, जिससे दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है। दूसरा महत्वपूर्ण कारण नशे में ड्राइविंग है। शराब या अन्य नशे के प्रभाव में चालक अपना नियंत्रण खो देते हैं। इसके अलावा ट्रैफिक नियमों की अनदेखी जैसे सिग्नल तोड़ना, सीट बेल्ट या हेलमेट का उपयोग न करना भी दुर्घटनाओं को बढ़ावा देता है। एक अन्य महत्वपूर्ण कारण है दुर्घटना के बाद कानूनी कार्रवाई का डर, जिसके चलते कई चालक घटनास्थल से भाग जाते हैं। साथ ही कई क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरों और ट्रैफिक निगरानी की कमी भी इन अपराधों को बढ़ने का मौका देती है। इन मामलों में कानून की बात करें तो देश में हिट एंड रन मामलों को गंभीर अपराध माना जाता है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 और मोटर वाहन कानूनों के तहत दुर्घटना के बाद मौके से भागना दंडनीय अपराध है। यदि चालक घायल व्यक्ति की मदद नहीं करता है और फरार हो जाता है, तो उसे जेल और जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है।

नए प्रावधानों के अनुसार, गंभीर मामलों में कठोर सजा का प्रावधान किया गया है ताकि ऐसे अपराधों पर रोक लगाई जा सके। साथ ही गुड सेमेरिटन (सहायता करने वाले नागरिक) को कानूनी सुरक्षा भी दी गई है, जिससे लोग बिना डर के घायल की मदद कर सकें। हिट एंड रन मामलों के दुष्परिणाम अत्यंत गंभीर होते हैं। सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि घायल व्यक्ति को समय पर चिकित्सा सहायता नहीं मिल पाती, जिससे कई बार उसकी जान चली जाती है। इसके अलावा आरोपी के फरार हो जाने के कारण पीड़ित परिवार को न्याय मिलने में भी कठिनाई होती है। यह न केवल व्यक्तिगत त्रासदी है, बल्कि समाज में असुरक्षा की भावना भी पैदा करती है। इन घटनाओं को रोकने के लिए कई स्तरों पर प्रयास करने की आवश्यकता है। सबसे पहले सरकार को ट्रैफिक नियमों को और सख्ती से लागू करना चाहिए तथा हिट एंड रन मामलों में कठोर सजा का प्रावधान सुनिश्चित करना चाहिए। इसके साथ ही शहर के प्रमुख चौराहों और सड़कों पर उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे और स्पीड मॉनिटरिंग सिस्टम लगाए जाने चाहिए ताकि आरोपियों की पहचान आसानी से हो सके।

ओपिनियन

क्या आप भी चीज़ें जल्दी भूल जाते हैं?

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

आज के समय में एक समस्या जो तेजी से बढ़ती जा रही है, वह है - हर दूसरा इंसान कह रहा है, "हमें चीज़ें याद नहीं रहतीं।" चाहे स्कूल- कॉलेज के विद्यार्थी हों या ऑफिस में काम करने वाले लोग–लगभग हर दूसरे व्यक्ति को लगता है कि उसकी याददाश्त कमजोर हो रही है। लेकिन क्या यह सच में केवल याददाश्त की समस्या है, या इसके पीछे कुछ और गहरा कारण छिपा है? आइए समझने की कोशिश करते हैं। बेहोशी या नासमझी में जिंदगी जीते हुए ऐसा लगता है कि इसका मुख्य कारण मोबाइल का अत्यधिक उपयोग, सोशल मीडिया, व्यस्त जीवनशैली आदि हैं। पर जब ठहरकर समझ की निगाहों से जिंदगी को देखते हैं, तो समझ आता है कि यह "भूलना" केवल जानकारी का खो जाना नहीं है, बल्कि समझ का स्थिर न हो पाना है।

डॉ. अभिलाष मोदी
शिक्षाविद्
@jagrukjanta.net

हम अक्सर देखते हैं कि लोग मोटिवेशनल स्पीच सुनते हैं, अच्छी किताबें पढ़ते हैं, या किसी संत का सत्संग सुनते हैं। उस समय उन्हें सब कुछ सही लगता है, वे मानते हैं कि "हमें इसी तरह जीना चाहिए।" लेकिन जैसे ही असल जिंदगी में वही स्थिति आती है, वे उन बातों को लागू नहीं कर पाते। यहाँ भी अगर ठीक से देखा जाए, तो समस्या यही है। बच्चा स्कूल में पढ़ी हुई चीज़ भूल जाता है और माता-पिता किसी सही समझ वाले व्यक्ति से सुनी हुई या किसी किताब में पढ़ी हुई चीज़। वे किताबों में पढ़ते हैं कि बच्चे की समस्या को समझना चाहिए, फिर भी गुस्सा करते रहते हैं और सोचते रहते हैं कि बच्चा ठीक क्यों नहीं हो रहा।

यह बेहोशी इतनी आम हो गई है कि यह हमें सामान्य लगने लगी है। पर यदि हम इसे गहराई से देखें, तो एक मूल कारण स्पष्ट दिखाई देता है- हम शारीरिक रूप से जहाँ होते हैं, मानसिक रूप से वहाँ नहीं होते, पूरे मन से उपस्थित नहीं होते।

एक बच्चा कक्षा में बैठा है, लेकिन उसका ध्यान कहीं और है। एक कर्मचारी ऑफिस में है, पर उसका मन किसी और चिंता या कल्पना में उलझा है। ऐसे में जो भी सूचना, ज्ञान या अनुभव सामने आता है, वह भीतर तक पहुँच ही नहीं पाता। और जो भीतर गया ही नहीं, वह याद कैसे रहेगा? यही कारण है कि आज संसाधनों की कोई कमी नहीं है, महंगे स्कूल, बड़ी कोचिंग, पढ़े-लिखे शिक्षक, सब कुछ मौजूद है। फिर भी बच्चों में गहरी समझ कम दिखती है। इसके विपरीत, पहले संसाधन सीमित थे, लेकिन ध्यान और एकाग्रता अधिक थी। इसलिए कम पढ़ाई में भी गहराई से समझ बनती थी और चीज़ें लंबे समय तक याद रहती थीं। लेकिन इस समस्या की जड़ केवल "ध्यान भटकना" नहीं है। इसकी असली जड़ है, अधूरेपन की भावना।

जब व्यक्ति हर समय सोचता है कि "यह भी कोई जिंदगी है, कुछ और होता तो जिंदगी बेहतर होती," तो वह वर्तमान में कैसे रहेगा? जब किसी व्यक्ति को अपनी जिंदगी अच्छी ही नहीं लगती, तो वह उसमें पूरी तरह उपस्थित क्यों रहेगा? यही अधूरापन उसके भीतर लगातार चलता रहता है, एक अंदरूनी शोर की तरह। जब यह शोर चलता है, तो वह ठीक से सुन नहीं पाता, पढ़ नहीं पाता और समझ नहीं पाता।

इसका परिणाम यह होता है कि जो काम 1000 घंटे की एकाग्र मेहनत में हो सकता था, वही काम 3000-5000 घंटे लेने लगता है। और कई बार इतनी अधूरे मन की मेहनत के बाद भी सफलता नहीं मिलती। यह समस्या याददाश्त की नहीं, उस नासमझी की है जो हमें हर वक्त कहती है, "यह भी कोई जिंदगी है।"

कई बार हमें लगता है कि इसका समाधान ज्यादा पढ़ाई या ट्यूशन है, पर समाधान न तो केवल ज्यादा पढ़ाई है और न ही नई-नई तकनीकों का उपयोग। समाधान सही समझ में है। जब व्यक्ति अपने जीवन और उससे जुड़े लोगों के प्रति सच में कृतज्ञ और आभारी होता है, तो उसके भीतर ठहराव आता है।जब ठहराव आता है, तो मन भटकता नहीं है। जब मन भटकता नहीं है, तो वह वर्तमान में रहता है। और जब आप वर्तमान में होते हैं, तभी आप सच में सुनते हैं, तभी गहराई से समझते हैं, और तभी चीज़ें अपने आप याद रहने लगती हैं। हर वक्त खुद की जिन्दगी को छोटा मानना और शिकायत करने की आदत हमें खोखला और जीवन को नीरस बना देती हैं।

इसलिए अगली बार जब आपको लगे कि "मैं चीज़ें भूल रहा हूँ," तो खुद से एक सवाल जरूर पूछिए.

"क्या मैं सच में इस पल में मौजूद हूँ?" क्योंकि याददाश्त को सुधारने का रास्ता दिमाग से नहीं, सही समझ और कृतज्ञता भरी जिंदगी से होकर गुजरता है। एक ऐसी जिंदगी आपका इंतज़ार कर रही है, जहाँ आपको सिर्फ उस पल में रहना है जहाँ आप हैं, और आपकी जिंदगी अपने आप शानदार होने लगेगी।

पंचांग

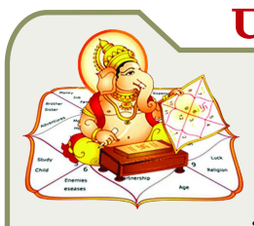

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 15/04/2026

सूर्योदय : 06:07 **सूर्यास्त :** 18:47 **चन्द्रोदय :** 04:25 **चन्द्रास्त :** 16:44 **शक सम्वत :** 1948 पराभव **विक्रम संवत् :** 2083 सिद्धार्थी **अमान्ता महीना :** चैत्र **पूर्णिमांत :** वैशाख **सूर्य राशि :** मेष **चन्द्र राशि :** कुम्भ **पक्ष :** कृष्ण **तिथि :** त्रयोदशी, 22:27 तक **वार :** बुधवार **द्रिक-वैदिक ऋतु :** वसन्त **द्रिक-वैदिक अयन :** दक्षिणायन **कलियुग :** 5127 वर्ष।

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : पूर्वभाद्रपदा, 15:09 तक
योग : ब्रह्मा, 13:12 तक
प्रथम करण : गारा, 11:23 तक
द्वितीय करण : वणिजा, 22:27 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:28 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:51 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	11:56 ए एम से
विजय मुहूर्त	02:30 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:44 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:46 पी एम से
निशिता मुहूर्त	11:59 पी एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : पूर्व में
राहु काल वास : दक्षिण-पश्चिम में
चन्द्रवास : पश्चिम
कुंभ चक्र: तल-कण्ठ

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	06:06 - 07:41	उद्वेग	18:46 - 20:11
अमृत	07:41 - 09:16	शुभ	20:11 - 21:36
काल काल वेला	09:16 - 10:51	अमृत	21:36 - 23:00
शुभ	10:51 - 12:26	चर	23:00 - 00:25
रोग वार वेला	12:26 - 14:01	रोग	00:25 - 01:50
उद्वेग	14:01 - 15:36	काल	01:50 - 03:15
चर	15:36 - 17:11	लाभ	03:15 - 04:40
लाभ	17:11 - 18:46	उद्वेग	04:40 - 06:05

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज त्रयोदशी

आज कौन सा कार्य करें

राज संबंधी कार्य (सरकारी कार्य), व्रतबंध, प्रतिष्ठा, विवाह, यात्रा, भूषणादि के लिए शुभ होते हैं। यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म, अन्नप्राशन व गृह प्रवेश शुभ है। ऋण नहीं देना चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

चैत्र, कृष्ण, त्रयोदशी, 2083 बुधवार, 15 अप्रैल - 21 अप्रैल, 2026

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

कम समय में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। मध्यान पश्चात मित्र-परिजनों के साथ मनोरंजन के अवसर मिलेंगे धार्मिक कार्यो में भी उपस्थिति देंगे। उत्तम भोजन वाहन सुख मिलेगा।

वृषभ ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो

क्रय-विक्रय के व्यापार से लाभ होगा विदेशी वस्तुओ के व्यापार में निवेश आगे के लिये लाभदायक रहेगा। प्रेम प्रसंगों में सम्बन्ध बिगड़ेंगे। संध्या बाद असंयमित दिनचर्या से थकान रहेगी।

मिथुन क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह

आकस्मिक यात्रा के योग बनेंगे यात्रा में चोटादि का भय है सावधान रहें। सरकारी दस्तावेजो को संभाल कर रखें। संतान के कारण हानि हो सकती है। विदेशी अथवा दूर रहने वाले व्यक्ति से लाभ हो सकता है।

कर्क हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे

व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृश्चिक तो,ना,नी, नू,या,यी,यू

नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे

नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

मकर भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,

परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

कुंभ गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा

नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

मीन दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि

आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

'सार्थक नाम अभियान' के तहत राजस्थान शिक्षा विभाग ने कक्षा 1 से 9 तक के करीब 3000 छात्र-छात्राओं के नामों की लिस्ट तैयार की है

स्कूलों में बच्चों के नेम और सरनेम बदलेगी सरकार!

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले उन हजारों छात्र-छात्राओं के लिए बड़ी खबर है, जिन्हें अपने अजीबोगरीब नाम या सरनेम की वजह से अक्सर शर्मिंदगी झेलनी पड़ती थी। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की पहल पर शिक्षा विभाग ने 'सार्थक नाम अभियान' की पूरी तैयारी कर ली है। विभाग का मानना है कि नाम केवल एक पहचान नहीं, बल्कि बच्चे के आत्मविश्वास का आधार होता है। इसी सोच के साथ अब उन बच्चों के नाम और उपनाम बदले जाएंगे जो सुनने में नकारात्मक या अर्थहीन लगते हैं।

विभाग ने तैयार की 3 हजार 'सार्थक' नामों की लिस्ट

इस अभियान को प्रभावी बनाने के लिए शिक्षा विभाग ने कड़ी मशक्कत के बाद लगभग 3000 सार्थक और गौरवपूर्ण नामों की एक आधिकारिक लिस्ट तैयार की है।

इस लिस्ट में बालिकाओं के लिए 1529 और बालकों के लिए 1409 बेहतरीन नाम शामिल किए गए हैं। खास बात यह है कि ये नाम बच्चों की राशि और उनके अर्थ के साथ दिए गए हैं, ताकि अभिभावक अपनी पसंद और विश्वास के अनुसार सही नाम का चुनाव कर सकें। शिक्षा मंत्री का कहना है कि अक्सर जानकारी के अभाव में बच्चों के नाम 'कजोड़मल', 'शेरू' या 'घीसा' जैसे रख दिए जाते हैं, जिससे बड़े होने पर उन्हें समाज में अजीब लगता है। विभाग अब इन नामों की जगह सम्मानजनक विकल्प दे रहा है।

सरनेम और जातिगत उपनामों में भी होगा सुधार

इस अभियान का एक अहम पहलू बच्चों के सरनेम में बदलाव करना भी है। सरकार ने उन उपनामों को बदलने का सुझाव दिया है जो आज के दौर में गरिमापूर्ण नहीं माने जाते। शिक्षा मंत्री ने निर्देश दिए हैं कि इन पुराने उपनामों की जगह 'वाल्मीकि' या अन्य सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और सम्मानजनक शब्दों का प्रयोग किया जाना चाहिए। इससे न केवल बच्चों की सामाजिक छवि बेहतर होगी, बल्कि उनमें जातिगत हीन भावना को खत्म करने में भी मदद मिलेगी। शिक्षा विभाग ने साफ किया है कि यह अभियान पूरी तरह से स्वैच्छिक है और किसी पर भी नाम बदलने का दबाव नहीं बनाया जाएगा।

चयन के लिए पेरेंट्स की लिखित सहमति जरूरी

स्कूलों में होने वाली एसएमसी और पीटीएम बैठकों के दौरान शिक्षक उन बच्चों की पहचान करेंगे जिनके नाम सुधारने की जरूरत है। इसके बाद विभाग द्वारा सुझाई गई लिस्ट अभिभावकों को दिखाई जाएगी। यदि माता-पिता अपने बच्चे का नाम या सरनेम बदलने के लिए तैयार होते हैं, तो उनकी लिखित सहमति मिलने के बाद ही सरकारी दस्तावेजों, शाला दर्पण पोर्टल और यूडीआईएसई प्लस पर नाम बदला जाएगा। यह प्रक्रिया फिलहाल कक्षा 1 से 9 तक के विद्यार्थियों के लिए ही लागू की गई है।

विरोध के स्वरः नाम जरूरी या सुविधाओं में सुधार?

जहां सरकार इसे बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए एक क्रांतिकारी कदम बता रही है, वहीं कुछ संगठनों ने इसकी प्राथमिकताओं पर सवाल उठाए हैं। संयुक्त अभिभावक संघ और कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि सरकार को बच्चों के नाम बदलने के बजाय निजी स्कूलों की मनमानी फीस रोकने, स्कूलों के जर्जर ढांचे को सुधारने और शिक्षकों की कमी दूर करने जैसे बुनियादी मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। उनका तर्क है कि नाम बदलना केवल एक प्रतीकात्मक बदलाव है, जबकि शिक्षा का असली सुधार धरातल पर सुविधाओं को बढ़ाने से होगा।

राजस्थान विवि में प्रो. (डॉ.) रीटा शर्मा बनीं शिक्षा संकाय की डीन

अनुभव, साधना और नेतृत्व का समन्वय—प्रो. रीटा शर्मा को डीन पद का दायित्व

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा शिक्षा संकाय के डीन पद पर प्रोफेसर (डॉ.) रीटा शर्मा की नियुक्ति एक ऐसे कर्मनिष्ठ, संस्कारवान एवं शिक्षण-समर्पित व्यक्तित्व को दायित्व सौंपने का निर्णय है, जिन्होंने अपने दीर्घकालीन शैक्षणिक जीवन में शिक्षा को केवल ज्ञानार्जन का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सशक्त साधन माना है। वर्तमान में डॉ. शर्मा श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय, केशव विद्यापीठ, जामडोली (जयपुर) की प्राचार्य के रूप में अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रही हैं। वर्ष 1997 से निरंतर शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए डॉ. रीटा शर्मा ने शिक्षण, शोध एवं अकादमिक नेतृत्व के माध्यम से अनेक पीढ़ियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनका कार्य केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहकर मूल्यपरक शिक्षा, अनुशासन एवं राष्ट्रनिष्ठा के संस्कारों के संवर्धन में भी प्रतिबिंबित होता है। वे राजस्थान विश्वविद्यालय में राज्य सरकार द्वारा मनोनीत सिंडिकेट सदस्य हैं तथा पूर्व में सीनेट सदस्य के रूप में भी अपने दायित्वों का निर्वहन कर चुकी हैं। डॉ. शर्मा की शैक्षणिक यात्रा सतत साधना, समर्पण एवं संगठनात्मक दृष्टि का परिचायक रही है। उन्होंने अनेक राष्ट्रीय संगोष्ठियों एवं वेबिनारों में संयोजक, अध्यक्ष एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में सक्रिय भूमिका निभाई है। वे कई महत्वपूर्ण पुस्तकों की लेखिका एवं संपादक भी हैं। वर्तमान में वे विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान की जयपुर प्रांत इकाई में सह मंत्री के रूप में भी समाज एवं शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाएँ प्रदान कर रही हैं।

शर्मा को मिला ज्योतिष सम्मान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। इंजीनियर कुलदीप शर्मा, वैदिक ज्योतिषी और केपी विशेषज्ञ को राष्ट्रीय ज्योतिष विज्ञान अनुसंधान व्याख्यानमाला सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया और उन्हें ज्योतिष जगत में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए कार्यक्रम के आयोजक पंडित यू सी मिश्रा द्वारा फरीदाबाद के सी.एस. बुटीक होटल सभागार में "ज्योतिष सम्मान" से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध ज्योतिषी आचार्य अनिल वत्स और प्रसिद्ध ज्योतिषी स्वाति पांडे भी उपस्थित थे।

नगर परिषद् चौमू, एवं सांभर, चाकसू, जोबनेर, फुलेरा, किशनगढ़ रेनवाल, बगरू नपा की मतदाता सूचियों के प्रारूप प्रकाशित

27 अप्रैल तक दर्ज करा सकेंगे दावे व आपत्तियां

19 और 26 अप्रैल को मतदान केंद्रों पर होगा मतदाता सूचियों का पठन, नए नाम जुड़वाने के लिए लगेंगे शिविर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नगरीय निकायों के आम चुनाव, 2026 के संदर्भ में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम अनुसार जिले की नगर परिषद, चौमू एवं नगरपालिका, सांभर, चाकसू, जोबनेर, फुलेरा, किशनगढ़ रेनवाल, बगरू में संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारियों ने निर्वाचक नामावलियों का प्रारूप प्रकाशन कर दिया गया है। प्रारूप मतदाता सूची पर दिनांक 13 अप्रैल से 27 अप्रैल तक दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत करने की अवधि निर्धारित है। प्रारूप मतदाता सूची का पदाभिहित अधिकारियों द्वारा 14 अप्रैल को उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज मीणा ने बताया कि नगर परिषद व बोर्ड के वार्ड व मतदान केन्द्रों पर वार्ड सभायें आयोजित कर संबंधित भागों की निर्वाचक नामावलियों का पठन किया जायेगा। मतदान केन्द्रों पर दावे व आपत्तियां प्रस्तुत करने के लिए 19 अप्रैल एवं 26 अप्रैल निर्धारित की गई है। इन दिनों पदाभिहित अधिकारी पूरे दिवस को प्रातः 9 बजे से सायं 6 बजे तक अपने-अपने मतदान केन्द्रों पर उपस्थित रहकर दावे आपत्तियों के आवेदन प्राप्त करेंगे। दावे व आपत्तियां निर्धारित प्रारूप 3, 5 और 6 में प्रस्तुत किया जावेगा। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का विवरण प्रारूप - 8, 9, और 10 में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा दो प्रतियों में प्रतिदिन तैयार किया जाएगा तथा उसकी प्रति कार्यालय के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित की जावेगी।

अतिक्रमियों के नाम और फोटो होंगे सार्वजनिक-गांव-गांव लगेंगे पोस्टर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में पंचायती राज विभाग अब पूरी तरह 'एक्शन मोड' में आ गया है। पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने प्रदेश की ग्राम पंचायतों में अवैध कब्जों को लेकर ऐतिहासिक और कड़ा फैसला लिया है। सरकार ने राज्य के लगभग 200 चिन्हित बड़े अतिक्रमणकारियों को 10 दिन का नोटिस थमाया है। यदि निर्धारित समय में अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो सरकार न केवल पीला पंजा चलाएगी, बल्कि अतिक्रमणकारियों की फोटो उनके ही गांव में सार्वजनिक रूप से लगाकर उन्हें 'सार्वजनिक रूप से बेनकाब' करेगी।

'नाम और फोटो' होंगे सार्वजनिक

मंत्री मदन दिलावर ने स्पष्ट किया है कि सरकारी जमीन पर कब्जा करना एक अपराध है और अब अपराधियों को समाज के सामने लाने का वक्त आ गया है। नोटिस अवधि खत्म होने के बाद, यदि कब्जा बरकरार रहता है, तो संबंधित ग्राम पंचायत और गांव के मुख्य स्थानों पर अतिक्रमणकारी का नाम और उसकी फोटो चस्पा की जाएगी।

15 दिन में हो फाइलों का निपटारा

विभाग के सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में मदन दिलावर ने अधिकारियों की क्लास ली। उन्होंने विभाग में लंबित पत्रों और प्रकरणों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। मंत्री कार्यालय से प्राप्त सभी पत्रों और जनसुनवाई के प्रकरणों का निस्तारण अधिकतम 15 दिनों के भीतर करना अनिवार्य होगा।
जो मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिपोर्ट भेजने या जवाब देने में देरी करेंगे, उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

'जीरो टॉलरेंस' नीति पर भजनलाल सरकार

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों के बाद पंचायती राज विभाग ने ग्रामीण क्षेत्रों में चारागाह भूमि, रास्तों और सरकारी भवनों की जमीनों को मुक्त कराने का महाभियान शुरू किया है। मदन दिलावर ने कहा कि "किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। अधिकारी अपनी जिम्मेदारी समझें और तय समयसीमा में परिणाम दें।" यह पहली बार है जब राजस्थान में अतिक्रमणकारियों की फोटो गांव में चस्पा करने जैसा कड़ा फैसला लिया गया है। इससे पहले केवल बड़े अपराधियों या आर्थिक अपराधियों के साथ ऐसा देखा जाता था।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की 135वीं जयंती पर हरमाड़ा में भव्य शोभायात्रा, उमड़ा जनसैलाब

जयपुर @ जागरूक जनता। संविधान निर्माता, भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की 135वीं जयंती के अवसर पर हरमाड़ा क्षेत्र में भव्य एवं ऐतिहासिक शोभायात्रा का आयोजन उत्साह, उमंग और सामाजिक एकता के संदेश के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आमजन, युवा, महिलाएं एवं बच्चों की सहभागिता रही, जिससे पूरा क्षेत्र उत्सवमय हो उठा। शोभायात्रा के दौरान "जय भीम" के जयघोष, बैंड-बाजों की धुन और आकर्षक झांकियों ने माहौल को जीवंत बना दिया। शोभायात्रा के मार्ग में जगह-जगह ग्रामीणों एवं सामाजिक संगठनों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। कई स्थानों पर जलपान एवं शीतल पेय की भी व्यवस्था की गई, जिससे सहभागीजन उत्साहित नजर आए। कार्यक्रम को सफल बनाने में क्षेत्र के युवाओं एवं कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका रही। आनन्द परसोया, सुनील उदय, सुन्दर उदय, मनोज परसोया, राहुल, हंसराज, शक्ति, निर्मल, विक्रम, हरीश उदय, क्रांति, आशुतोष सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने पूरे आयोजन के दौरान व्यवस्था संभालते हुए अनुशासन एवं समन्वय बनाए रखा।

हावड़ा-बीकानेर अब रोज नहीं सिर्फ 3 दिन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बीकानेर। बीकानेर से उत्तर प्रदेश, बिहार के प्रमुख शहरों को जोड़ने वाली हावड़ा लिंक ट्रेन की रफ्तार कोरोना के बाद थमी हुई है। यह ट्रेन पहले दैनिक चलती थी और अब सप्ताह में सिर्फ तीन दिन ही संचालित हो रही है। इस वजह से हजारों यात्रियों को परेशानी हो रही है। खासकर मजदूर, प्रवासी, व्यापारी और सरकारी कर्मचारियों को रेल सेवा नहीं मिल पा रही है।

यह है पूरा मामला

बीकानेर से उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों आगरा, इटावा, फिरोजाबाद, टूंडला, मैनपुरी, कानपुर, फर्रुखाबाद, फतेहपुर, उन्नाव, लखनऊ, इलाहाबाद और मुगलसराय के लिए हावड़ा लिंक ट्रेन पहले प्रतिदिन संचालित होती थी। कोरोना के दौरान इसे सप्ताह में तीन दिन कर दिया गया। हालात सामान्य होने के बाद इसे दैनिक नहीं किया गया। इससे यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

यह सबसे ज्यादा प्रभावित

नमकीन, कपड़ा, ऊन और खनन उद्योग में यूपी, बिहार के हजारों श्रमिक व कुशल कारीगर काम करते है। यहां से उत्तर प्रदेश के शहरों से व्यापारी संबंध होने से कारोबार के लिए लोगों को आवागमन करना पड़ता है। प्रवासी मजदूर, निजी कर्मचारी सभी को रेल सेवा तीन दिन ही होने से टिकट आरक्षण नहीं मिल पाता।

पुलिसकर्मियों को जन्मदिन पर मिलेगी छुट्टी, परिजनों के भी बर्थडे की लीव होगी मंजूर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पुलिसकर्मियों की कठिन ड्यूटी और तनावपूर्ण माहौल के बीच एक अनूठी पहल सामने आई है। अब पुलिसकर्मी अपने व अपने परिजनों के जन्मदिन पर छुट्टी ले सकेंगे। इसको लेकर राजस्थान में सवाई माधोपुर जिले की पुलिस अधीक्षक ने आदेश जारी किया है। एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी ने मंगलवार (14 अप्रैल) को पुलिसकर्मियों के अपने व परिजनों के बर्थडे पर छुट्टी मंजूरी सुनिश्चित किए जाने का पत्र लिखा है। एसपी ने यह पत्र जिले के सभी एडिशनल एसपी, सभी सीओ, जिले के सभी थानाधिकारी और निरीक्षक को भेजा है।

एसपी का निर्देश बना चर्चा का विषय

सवाई माधोपुर की एसपी का यह निर्देश पूरे राजस्थान में चर्चा का विषय बना हुआ है। एसपी ने अब पुलिसकर्मियों को उनके खुद के जन्मदिन, प%ी, बच्चों और माता-पिता के जन्मदिन के विशेष अवसर पर आवेदन किये जाने पर आकस्मिक अवकाश देने का निर्णय लिया है। एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी की तरफ से जारी निर्देशों के अनुसार, अगर कोई पुलिसकर्मी अपने या अपने परिवार के सदस्यों के जन्मदिन पर अवकाश के लिए आवेदन करता है, तो उसे अनिवार्य रूप से स्वीकृत किया जाएगा।

पुलिस महकमे में निचले स्तर तक होगा फायदा

इस मानवीय पहल का लाभ महकमे के सबसे निचले स्तर तक पहुँचाया गया है। इसमें कांस्टेबल से लेकर सहायक उप निरीक्षक तक के पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया है।

हवामहल विधायक बोले- ऐसे ही रहा तो हम 'अल्पसंख्यक' और 'चच्चा' बहुसंख्यक हो जाएंगे

'हम दो हमारा एक' की सोच पर भड़के बालमुकुंद आचार्य

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। अजमेर जिले में बीते दिनों दक्षिणमुखी बालाजी हनुमान धाम में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान जयपुर की हवामहल सीट से विधायक बालमुकुंद आचार्य ने जनसंख्या और परिवार व्यवस्था को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने समाज को चेतावनी देते हुए कहा कि 'हम दो हमारा एक' की मानसिकता भविष्य में हमारी संस्कृति और सामाजिक संतुलन के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकती है।

चीन का उदाहरण और आत्मनिर्भरता का तर्क

जनसंख्या बढ़ने से बेरोजगारी और संसाधनों की कमी के तर्कों को नकारते हुए उन्होंने चीन का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि चीन में जनसंख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन इसके बावजूद वहां व्यापार मजबूत है और देश आत्मनिर्भर है। आचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भर तो बन रहा है, लेकिन इसके लिए परिवारों का बड़ा होना जरूरी है।

'हम अल्पसंख्यक और चच्चा बहुसंख्यक हो जाएंगे'

बालमुकुंद आचार्य ने अपने संबोधन में जनसंख्या असंतुलन की ओर इशारा करते हुए कहा कि यदि हम 'हम दो हमारा एक' तक ही सीमित रहे, तो वह दिन दूर नहीं जब हम खुद अपने ही देश में अल्पसंख्यक हो जाएंगे और 'चच्चा' बहुसंख्यक हो जाएंगे। उन्होंने युवाओं और परिवारों से अपील करते हुए एक नया नारा दिया- 'हम दो हमारे दो-चार होने दो।'

'एक बच्चे की सोच से टूट रहे रिश्ते'

उन्होंने पुरानी परंपराओं को याद दिलाते हुए कहा कि पहले 10-12 बच्चों के बड़े परिवार होते थे, जिससे चाचा, ताऊ और भाई-बहन जैसे रिश्तों की मजबूती बनी रहती थी। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर एक ही बच्चा होगा और वह करियर के लिए बाहर चला गया, तो पीछे बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल कौन करेगा? उन्होंने आगे कहा, 'अगर परिवार में सदस्य अधिक होंगे, तभी कोई फौज में जाएगा, कोई पुलिस में भर्ती होगा, कोई व्यापार संभालेगा और कोई खेती-किसानी करेगा। कुछ बच्चे राष्ट्र और संस्कृति की सेवा के लिए भी आगे आएंगे।'

'सिर्फ सरकारी नौकरी के पीछे न भागें युवा'

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने युवाओं को केवल सरकारी नौकरी की सोच तक सीमित न रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि युवाओं को खुद रोजगार देने वाला बनने की दिशा में काम करना चाहिए। कार्यक्रम के समापन पर महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। बालमुकुंद आचार्य ने अंत में समाज को एकता, आत्मनिर्भरता और अपनी संस्कृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया।

राज्यपाल ने कहा डॉ. अम्बेडकर ने देश को सामाजिक समरसता का मंत्र ही नहीं दिया बल्कि राष्ट्र सर्वोच्च है,यह दृष्टि भी दी

बाबा साहेब भारतीय संस्कृति में रचे-बसे मूल्यों से जुड़े महामना थे-राज्यपाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर व्यक्ति नहीं अपने आप में संस्था थे। उन्होंने देश को सामाजिक समरसता का मंत्र ही नहीं दिया बल्कि राष्ट्र सर्वोच्च है, यह दृष्टि भी दी। वह संविधान और भारतीय संस्कृति में रचे-बसे मूल्यों से जुड़े महामना थे। उन्होंने कहा कि महामना वह होता है जो मनुष्य जैसा ही होते हुए भी अपने विचारों से और कर्म से जीते जी महानतम विचारों का आलोक देता है।

राज्यपाल बागडे डॉ. अम्बेडकर की 135 वीं जयंती पर आयोजित समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अपने अध्ययन का बहुत सारा समय डॉ. अम्बेडकर ने देश-दुनिया के कानूनों को जानने और समझने में ही व्यतीत किया था। इसी से विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत का महान संविधान हमें तैयार कर उन्होंने दिया।

बागडे ने कहा कि बाबा साहेब ने अपना पूरा जीवन वंचित वर्ग के कल्याण को समर्पित किया था। बॉम्बे विधानसभा में वर्ष 1938 में उन्होंने कहा था, ''मैं चाहता हूं कि समस्त लोग पहले भारतीय हों, और अंततः भारतीय हों तथा भारतीय के सिवाय और कुछ भी नहीं हों।'' राज्यपाल ने कहा कि बाबा साहेब ने राष्ट्र प्रथम की सोच हमें दी और कहा था कि राष्ट्र के हितों को सदा अग्रणी रखें। डॉ. अम्बेडकर के विचार वास्तविक रूप में उस राष्ट्रवाद से ही जुड़े हैं जिनमें व्यक्ति और व्यक्तियों के बीच जातियों, वर्णों, वर्गों, धर्मों में किसी तरह का कोई भेद नहीं है। उन्होंने शिक्षा और जागरूकता के लिए सदा काम किया।

डॉ. अम्बेडकर ने 'शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो' का नारा दिया। बागडे ने बाबा साहेब अम्बेडकर के विचारों को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि वह युगपुरूष थे। उन्होंने डॉ. अम्बेडकर द्वारा देश में रोजगार केंद्रों की स्थापना, दामोदर घाटी परियोजना, हीराकुंड परियोजना तथा सोन परियोजना आदि की स्थापना में रही महत्वपूर्ण भूमिका को स्मरण करते हुए उनकी उदात्त दृष्टि से सीख लेने का आह्वान किया।

डॉ.भीमराव अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय द्वारा प्रथम डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति विधि व्याख्यान आयोजित

गरिमा सुनिश्चित करना समय और धर्म पर निर्भर-न्यायमूर्ति माहेश्वरी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। डॉ. भीमराव अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आज अपने प्रथम डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति विधि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में माननीय न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी (अध्यक्ष, विधि आयोग एवं पूर्व न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय) उपस्थित रहे। इस व्याख्यान का शीर्षक " डाटा, डिग्निटी एंड डेस्टिनी:री थिंकिंग सोशल जस्टिस इन द एआई ऐरा" रहा। व्याख्यान में माननीय न्यायमूर्ति संजीव प्रकाश शर्मा (कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय), प्रो. (डॉ.) निष्ठा जसवाल (कुलगुरू, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय, जयपुर) एवं वीरेन्द्र कुमार वर्मा (कुलसचिव, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय, जयपुर) उपस्थिति रहे। इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय ने कानोडिया स्कूल लॉ फॉर वीमन, जयपुर को जिम्मेदारी सौंपी। सभी 80 विधि महाविद्यालयों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. (डॉ.) निष्ठा जसवाल द्वारा स्वागत भाषण दिया गया तथा डॉ. भीमराव अम्बेडकर के विषय में विचार साझा किये। उन्होने अम्बेडकर जी के जीवन और विरासत अपने विचार सांझा किए और कहा कि उन्होने मानवीय गरिमा को सर्वोच्च महत्व दिया। उन्होने संविधान को आधुनिक समय की जीती-जागती हकीकत बत्ताते हुए उसे आत्मसात करने को प्रोत्साहित किया। न्यायमूर्ति संजीव प्रकाश शर्मा ने अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जन्म दिवस पर उनके योगदान को याद किया। उन्होने कहा कि आज के समय में निर्णय लेने में डेटा और एआई महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। उन्होंने कहा कि "गरिमा हमारे संविधान की आत्मा है, जिसके साथ समझौता नहीं किया जा सकता। "उन्होने कहा कि "शिक्षा आजीविका का साधन नहीं बल्कि मुक्ति का एक उपकरण है"।

मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी ने अपने व्याख्यान में कहा कि "गरिमा सुनिश्चित करना समय और धर्म पर निर्भर करता है। हमारा भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि आज हम डेटा का उपयोग कैसे करते है। उन्होंने संविधान की प्रस्तावना में उल्लिखित संवैधानिक मूल्यों पर प्रकाश डाला। सामाजिक न्याय केवल एक परिणाम नहीं है, बल्कि एक सतत चलने वाली प्रक्रिया है जिसके माध्यम से समाज में गरिमा को सुनिश्चित किया जाता है। गरिमा के बिना स्वतंत्रता अधूरी है। उन्होंने कहा कि सामाजिक लोकतंत्र के बिना राजनीतिक लोकतंत्र का अस्तित्व नहीं रह सकता। जब सामाजिक न्याय क्रियाशील होता है, तो यह गरिमा को पुनर्स्थापित करता है। अपने व्याख्यान के समापन की ओर अग्रसर होते हुए उन्होंने कहा कि भारतीयों की प्रामाणिक बुद्धिमता हमारे लिए महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के अन्त में वीरेन्द्र कुमार वर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया।

सैन जयंती पर कलश यात्रा का आयोजन, स्वामी बालमुकुन्दाचार्य महाराज को दिया आमंत्रण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। खोरा बैनाड़, झोटवाड़ा क्षेत्र में सैन समाज कल्याण एवं विकास समिति के तत्वावधान में 14 अप्रैल को सैन जयंती के पावन अवसर पर भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया जाएगा।

इस शुभ अवसर के लिए स्वामी बालमुकुन्दाचार्य महाराज को सादर आमंत्रित किया गया। समिति के पदाधिकारियों ने हाथोज धाम पहुँचकर उन्हें कार्यक्रम में सम्मिलित होने हेतु निमंत्रण प्रदान किया। स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज ने सैन समाज बंधुओं को सेन जयंती की शुभकामनाएँ देते हुए क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि सैन जयंती का यह आयोजन समाज की एकता, संस्कृति एवं परंपराओं को सुदृढ़ करने का माध्यम है। इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

14 मई से सप्लीमेंट्री परीक्षाएं, ऑनलाइन फॉर्म आज से

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने वर्ष 2026 की पूरक (सप्लीमेंट्री) परीक्षाओं का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। सैद्धांतिक परीक्षाएं 14 मई से और प्रायोगिक परीक्षाएं 7 मई से शुरू होंगी। बोर्ड ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि विद्यालय और परीक्षार्थी मूल अंकतालिकाओं का इंतजार न करें और पूरक परीक्षा के लिए जल्द से जल्द शुल्क जमा कराएं। सामान्य परीक्षा शुल्क के साथ ऑनलाइन चालान 15 से 22 अप्रेल तक प्रिंट किए जा सकेंगे, जबकि बैंक में राशि जमा कराने की अंतिम तिथि 24 अप्रेल निर्धारित की गई है। सभी विद्यालयों को पूरक परीक्षा शुल्क ऑनलाइन ही जमा कराना अनिवार्य होगा। विद्यालयों को बोर्ड की वेबसाइट http://rajeduboard.rajasthan.gov.in पर स्कूल लॉगिन कर पूरक परीक्षा 2026 के लिंक पर जाना होगा।

पूर्व सैनिक सेवा परिषद की ओर से आज़ाद हिन्द फ़ौज दिवस का आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की ओर से आजाद हिंद फौज दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर हेमंत सेठिया, सह संघचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जयपुर प्रांत तथा अध्यक्ष कमांडर बनवारी लाल, प्रदेश महासचिव रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारत माता व नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। परिषद के जयपुर प्रांत सचिव जे डबलू ओ डाल सिंह शेखावत ने अतिथियों का परिचय करवाया।

कॉलेज प्राचार्य प्रोफ़ेसर एन एम शर्मा ने स्वागत भाषण में कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम करने से युवाओं में देशभक्ति की भावना जागृत होती है ।

कमांडर बनवारीलाल ने अपने उद्बोधन में परिषद के संगठनात्मक ढांचे व उद्देश्य के बारे में बताया साथ ही युवाओं के सेना में जाने के विभिन्न आयामों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज कल सेनाओं में छात्र व छात्राओं को समान अवसर प्राप्त है ।

कालेज सचिव लक्ष्मीकांत पारीक ने अपने उद्बोधन में कहा कि अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद द्वारा हमारे कॉलेज को आज़ाद हिंद फ़ौज दिवस समारोह आयोजित करने के लिए चुना यह हमारे लिए गौरव की बात है उन्होंने कहा कि कॉलेज के विद्यार्थियों में राष्ट्र प्रथम की भावना जागृत होनी चाहिये ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर हेमंत सेठिया ने आज़ाद हिंद फ़ौज व नेताजी सुभाष चंद्र बोस के द्वारा देश को आज़ादी दिलाने के लिए किए गए योगदान के बारे में जानकारी दी । उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि नेताजी ने कहा कि तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा, लेकिन वर्तमान परिदृश्य में खून देने की आवश्यकता नहीं है आज हमें समर्पण परिश्रम, अनुशासन वकर्तव्य भावना की आवश्यकता है जिससे कि हमारा राष्ट्र महान सशक्त और विकसित बने।

उन्होने कहा कि भारत का हर नागरिक जो भी कार्य करे राष्ट्र प्रथम की भावना रखकर करें । उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसवेक संघ द्वारा चलाए जा रहे पंच परिवर्तन कुटुम्ब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण स्व का भाव व नागरिक कर्तव्य के बारे में जानकारी दी। विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा संगीत शिक्षिका डॉ गायत्री शर्मा के निर्देशन में देश भक्ति गीत व शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई ।

कमांडर प्रियंका चौधरी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया ।कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। कार्यक्रम में कर्नल राणूसिंह, कमांडर कमांडर प्रवीण गोस्वामी, कैप्टन सुमेर सिंह, एडवोकेट बृजेश शर्मा,फ्लाइंग ऑफ़िसर सुरेंद्र पारीक,मैजर निशासिंह, कालेज स्टाफ़ एन सी सी कैडेट व अन्य छात्र/छात्रा उपस्थित थे ।

स्वामी बालमुकुंद आचार्य का 'समरसता अवतार', डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को दूध से नहलाया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। हवामहल विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक स्वामी बालमुकुंद आचार्य एक बार फिर सुर्खियों में हैं। अवसर था भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 136वीं जयंती का, जिसे भारतीय जनता पार्टी 'समरसता पर्व' के रूप में मना रही है। इस मौके पर स्वामी बालमुकुंद आचार्य का एक अलग ही अंदाज देखने को मिला, जहाँ उन्होंने न केवल स्वच्छता का संदेश दिया, बल्कि बाबा साहेब की प्रतिमा का दुग्धाभिषेक कर सनातन और संविधान के संगम की एक नई तस्वीर पेश की। हवामहल क्षेत्र के जयसिंहपुरा खोर (वार्ड संख्या 14) में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विधायक ने बाबा साहेब की प्रतिमा का विधि-विधान से दुग्धाभिषेक किया।

भगवा वस्त्रों में सजे स्वामी जी द्वारा संविधान निर्माता का दुग्धाभिषेक करने के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। लोग इसे सामाजिक समानता और धार्मिक आस्था के मेल के रूप में देख रहे हैं।

प्रतिमा स्थल पर खुद लगाई झाड़ू

केवल औपचारिकता तक सीमित न रहकर विधायक बालमुकुंद आचार्य ने शिव कॉलोनी और आसपास के क्षेत्रों में स्थित अंबेडकर पार्कों में स्वच्छता अभियान का नेतृत्व किया। प्रतिमा स्थल और आसपास के परिसर की सफाई की। उन्होंने संदेश दिया कि महापुरुषों का सम्मान केवल माल्यार्पण तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उनके स्मारकों की पवित्रता और स्वच्छता बनाए रखना भी हमारा कर्तव्य है।

'बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करें'

इस दौरान क्षेत्रवासियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि डॉ. अंबेडकर केवल एक वर्ग के नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के गौरव हैं। उन्होंने समानता, न्याय और बंधुत्व का जो मार्ग दिखाया है, उसी पर चलकर सशक्त भारत का निर्माण संभव है। स्वामी जी ने आह्वान किया कि समाज में ऊंच-नीच के भेद को मिटाकर समरसता की भावना को सुदृढ़ करना ही बाबा साहेब को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

वरिष्ठ नेताओं की रही मौजूदगी

कार्यक्रम में भाजपा के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और स्थानीय नेता शामिल हुए। विधानसभा संयोजक मनोज भारद्वाज, जयपुर शहर उपाध्यक्ष सुरेश गुर्जर, जलमहल मंडल अध्यक्ष अमित पारीक सहित कई पार्षदों और कार्यकर्ताओं ने समरसता पर्व में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

सियासी गलियारों में चर्चा

अशोक गहलोत द्वारा संविधान और अंबेडकर जयंती पर दिए गए हालिया बयानों के बीच बालमुकुंद आचार्य की यह सक्रियता भाजपा की ओर से एक मजबूत 'काउंटर' के रूप में देखी जा रही है। जहाँ विपक्ष सरकार पर संविधान विरोधी होने का आरोप लगा रहा है, वहीं स्वामी जी का यह 'दुग्धाभिषेक' अवतार भाजपा के 'सबका साथ, सबका विकास' के नारे को मजबूती प्रदान कर रहा है।

कोटपूतली-किशनगढ़ ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे पर सफर 2 घंटे में होगा पूरा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कोटपूतली से किशनगढ़ तक 208 किमी दूरी के प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे परियोजना को लेकर तैयारियां तेज हो गई है। इस एक्सप्रेस वे के शुरू होने पर कोटपूतली से किशनगढ़ की दूरी दो घंटे में तय होगी। अभी इस दूरी को तय करने में चार घंटे लग रहे हैं। इसके अलावा दिल्ली से अजमेर की दूरी तय करने वाले यात्रियों को भी दो घंटे की बचत होगी। लंबे समय से लंबित इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत जल्द ही भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके लिए आरएसआरडीसी की ओर से भूमि अधिग्रहण पर ग्रामीणों की आपत्ति सुनने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर जन सुनवाई शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। शिविर 11 अप्रेल से शुरू हुए थे और 16 अप्रेल तक जारी रहेंगे।

6 हजार करोड़ से बनेगी फोरलेन सड़क

फोरलेन की इस परियोजना पर 6 हजार करोड़ से अधिक खर्च होने का अनुमान है। इस एक्सप्रेस वे कोटपूतली-बहरोड़ जिले के अलावा सीकर, जयपुर व अजमेर जिले से जुड़ाव होगा। इस मार्ग पर 95 से अधिक अण्डरपास व फ्लाईओवर बनाए जाएंगे। अलग-अलग स्थानों पर 9 एण्ट्री एक्जिट प्वाइंट होंगे। दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए इस मार्ग पर दुपहिया व तिपहिया वाहनों की एण्ट्री नहीं होगी। किसानों की सुविधा के लिए एक से दो किमी की दूरी पर अंडरपास बनाए जाएंगे।

बाधा रहित यातायात होगा संभव

कोटपूतली के पनियाला से शुरू होने वाले ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे परियोजना को देश के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने वाली अहम पहल माना जा रहा है। प्रशासन के अनुसार इस परियोजना के निर्माण से तेज और बाधा रहित यातायात संभव होगा।

यातायात का दबाव होगा कम

ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे बनने से पुरानी सड़कों यानि दिल्ली जयपुर व अजमेर राजमार्ग पर यातायात का दबाव कम होगा और सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी आने की संभावना है। बेहतर और सुरक्षित सड़क सुविधाओं से लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को भी मजबूती मिलेगी।

किसानों के माथे पर चिंता की लकीर

जमीन अधिग्रहण को लेकर किसानों के बीच अवाप्ति और मुआवजे को लेकर चिंता बनी हुई है। जिन गांवों से एक्सप्रेस वे गुजरेगा वहां के किसान भूमि अधिग्रहण का विरोध कर रहे हैं। खेती योग्य भूमि कम होने और आय के स्थायी स्रोत प्रभावित होने का डर ग्रामीणों में साफ दिखाई दे रहा है।

इन 14 गांवों से गुजरेगा एक्सप्रेस वे

कोटपूतली क्षेत्र के गोनेडा, कालूहेडा, बनेटी, नरसिंहपुरा, अमरपुरा, रामनगर में जनसुनवाई हो चुकी। जबकि चूरी, भोपतपुरा, कायमपुरा बांस, चिमनपुरा में जनसुनवाई ग्राम पंचायत मुख्यालय पर 15 अप्रेल को और अवाप्ति शामिल में ग्राम अजीतपुरा खुर्द, चेचीका की नांगल, करवास व जयसिंहपुरा में जन सुनवाई 16 अप्रेल को होगी।

अशोक गहलोत का दोतरफा वार, 2020 के राजनीतिक संकट का जिक्र, पायलट-बीजेपी पर चलाए शब्दबाण

शाह और मोदी जी का संकट था, हम लोगों ने 34 दिन तक भुगता-गहलोत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

डीडवाना। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बार फिर साल 2020 के राजनीतिक संकट को याद करते हुए भाजपा और उसके नेताओं पर निशाना साधा। उन्होंने मंगलवार को डीडवाना में अम्बेडकर जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के मंच से बीजेपी के साथ इशारों-इशारों में सचिन पायलट को भी अपने निशाने पर ले लिया। इधर कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री सचिन पायलट पीसीसी में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। खास बात यह रही कि पीसीसी चीफ गोविंद डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी अपने- अपने गृह जिले के दौरे पर होने के चलते प्रदेश कांग्रेस ऑफिस पर हुए आयोजन में शामिल नहीं हो सके।

डीडवाना से गहलोत ने चलाए शब्दबाण

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अंबेडकर जयंती पर डीडवाना में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। भले ही गहलोत जयपुर से 160 किलोमीटर दूर थे, लेकिन उनके बयानों की मारक क्षमता दोतरफा भी थी और गहरी भी। डीडवाना से लंबी दूरी के शब्द बाण चलाते हुए गहलोत ने बीजेपी की टॉप लीडरशिप के साथ बिना नाम लिए खुद की पार्टी के नेताओं पर भी निशाना साधा।

गहलोत ने याद किया राजनीतिक संकट

इन बयानों की रेंज में 160 किलोमीटर दूर बैठे सचिन पायलट से लेकर दिल्ली में 350 किलोमीटर दूर बैठे बीजेपी के नेता भी रहे। पीसीसी चीफ गोविंद डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की प्रदेश कार्यालय पर गैर मौजूदगी के बीच सचिन पायलट अंबेडकर जयंती के कार्यक्र म में इंदिरा गांधी भवन पर पहुंचे तो गहलोत ने डीडवाना से पुराने ज़ख्म कुरेदना शुरू कर दिया। गहलोत ने इस मंच से साल 2020 में अपनी सरकार पर आए राजनीतिक संकट को याद करते हुए कहा कि हमारी सरकार जब संकट में थी तो उन्होंने हमारी पार्टी के लोगों को भड़काया और भड़काकर मानेसर ले गए।

चेतन डूडी की गहलोत ने की तारीफ

इस दौरान पूर्व सीएम गहलोत ने चेतन डूडी की राजनीति की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि चेतन डूडी उन लोगों में आता है, जो दो-चार लोग थे, जिन्होंने बहुत होशियारी से राजनीति की और मेरी सरकार बचा दी। कांग्रेस में अपने साथियों पर निशाना साधने के साथ ही गहलोत ने बीजेपी के नेताओं को भी घेरा। उन्होंने अपने लोगों के बीच यह भी कह दिया कि वे दो साल बाद आज हेलीकॉप्टर में बैठे हैं। ऐसे में लोगों के मन में गहलोत के बयान और उसके मायने को लेकर जिज्ञासा दिख रही है।

'सरकार गिराने के लिए खर्च किए करोड़ों रुपये'

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वह अमित शाह और मोदी जी का संकट था। हम लोगों ने उसको 34 दिन तक भुगता। पूर्व सीएम ने कहा कि सीएम भजनलाल शर्मा और बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ बार-बार हमारी सरकार को होटलों में रही सरकार बताते हैं। यह तो तुम्हारे कुकर्मों के कारण थी होटलों की सरकार। अशोक गहलोत यहीं नहीं रुके। उन्होंने बीजेपी की लीडरशिप पर सरकार गिराने के लिए पैसे खर्च करने का आरोप भी लगाया। गहलोत ने कहा कि इन लोगों ने करोड़ों रुपए खर्च किए सरकार गिराने के लिए। जैसे महाराष्ट्र में खर्च किए, 50 करोड़ विधायकों को दिए। सब जगह इन्होंने पैसा खर्च किया और सरकार गिराने का षड्यंत्र किया। गहलोत ने लोगों से कहा कि यह तो आपका आशीर्वाद था कि मध्य प्रदेश सरकार गिर गई, कर्नाटक की सरकार गिर गई, महाराष्ट्र में सरकार गिर गई, लेकिन हिंदुस्तान में एकमात्र राज्य राजस्थान था, जहां सरकार बची रही। गहलोत ने कहा यह सब आप प्रदेशवासियों का आशीर्वाद था, जो MLA मेरे साथ रहे, उनका विश्वास था मेरे प्रति।

सरमथुरा-गंगापुरसिटी के बिछेगी नई रेल पटरी!

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सवाईमाधोपुर। राजस्थान में रेल नेटवर्क को मजबूत करने की दिशा में रेलवे लगातार बड़ा कदम उठा रहा है। अब प्रदेश में सरमथुरा से गंगापुर सिटी के बीच नई रेल लाइन बिछाने की तैयारी है। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को अब विशेष रेल परियोजना में शामिल किया गया है। 76 किलोमीटर लंबे नए रूट पर रेल लाइन बिछाने से प्रदेश के 3 जिलों के लोगों को सीधा फायदा होगा। साथ ही व्यापारिक गतिविधियों को भी नई रफ्तार मिलेगी। अभी धौलपुर से सरमथुरा के बीच 74 किमी लंबे रूट पर आमान परिवर्तन का काम चल रहा है, जो दिसंबर 2026 तक पूरा होना है। इसके बाद सरमथुरा से गंगापुर तक नई रेल लाइन बिछाने का काम रफ्तार पकड़ेगा। इसके साथ ही करौली और कैलादेवी भी रेल मार्ग से जुड़ जाएगा।

दो चरणों में पूरा होगा काम

धौलपुर-सरमथुरा-गंगापुर सिटी तक 148 किमी लंबी लाइन बिछाने का काम दो चरणों में होना है। पहले चरण में धौलपुर से सरमथुरा तक करीब 72 किमी लंबे रूट पर काम चल रहा है, जो इस साल के अंत तक पूरा हो जाएगा। इसके बाद दूसरे चरण का काम शुरू होगा और सरमथुरा से गंगापुर सिटी तक 74 किमी लंबे रूट पर नई रेल लाइन बिछाई जाएगी।

15 साल पहले मिली थी रेल प्रोजेक्ट को मंजूरी

इस परियोजना के लिए साल 1998 में सर्वे शुरू किया गया था। साल 2009 में सर्वे रिपोर्ट मिली थी और साल 2010-11 में धौलपुर-गंगापुर सिटी वाया करौली रेल परियोजना को केंद्र सरकार ने मंजूरी दी थी।

कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर अधिकारियों को दिये दिशा निर्देश

रिफाइनरी शुभारंभ कार्यक्रम पूर्व तैयारियों की जिला कलक्टर यादव ने की समीक्षा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। 21 अप्रैल, रिफाइनरी शुभारंभ कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में जिला कलक्टर सुशील कुमार यादव ने पंचायती राज एवं जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर कार्यक्रम की पूर्व तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक के दौरान जिला कलक्टर ने कहा कि 21 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजस्थान रिफाइनरी का शुभारंभ करेंगे। साथ ही जनसभा को संबोधित करेंगे। जिले में आयोजित होने जा रहे इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में आने एवं जाने वाले सभी वाहनों की सुव्यवस्थित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक बस में एक प्रभारी की नियुक्ति अनिवार्य रूप से की जाए। उन्होंने कहा कि सभी बसों में यात्रियों की सुविधा के लिए पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था के साथ-साथ प्राथमिक चिकित्सा हेतु आवश्यक दवाइयां एवं ओआरएस पैकेट उपलब्ध करवाए जाएं, ताकि यात्रा में किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या होने पर तुरंत राहत दी जा सके। जिला कलक्टर यादव ने निर्देशित किया कि वे बसों को निर्धारित रूट के अनुसार ही कार्यक्रम स्थल तक लाएं तथा बसों को केवल निर्धारित पार्किंग क्षेत्र में ही पार्क करें। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम समाप्ति के बाद बसों की रवानगी में भीड़ प्रबंधन में सक्रिय सहयोग किया जाए, जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यात्रियों को कार्यक्रम स्थल तक लाने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाए रखें, ताकि अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित की जा सके। साथ ही सभी वाहन निर्धारित समय से पूर्व कार्यक्रम स्थल पर पहुंचें, यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि समय-समय पर प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का अक्षरशः पालन किया जाए तथा यातायात नियमों का पूर्ण रूप से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देशित किया कि आवागमन के दौरान किसी भी स्थान पर जाम की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए पूर्व नियोजन के साथ आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएं।

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

योजनाओं के लाभार्थियों को राशि वितरण व प्रतिभाओं का सम्मान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 10 बजे नगर परिषद बालोतरा परिसर में स्थापित बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ की गई।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर भुवनेश्वर सिंह चौहान ने नगर परिषद में स्थापित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प माला अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पश्चात पंचायत समिति बालोतरा के सभागार में एलईडी के माध्यम से राज्य स्तरीय कार्यक्रम से जुड़कर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को राशि वितरण किया गया। साथ ही मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश में नव निर्मित 10 छात्रावासों का लोकार्पण एवं 17 छात्रावासों का शिलान्यास किया गया, जिसमें बालोतरा जिले के सावित्री बाई फुले कन्या छात्रावास, बालोतरा का लोकार्पण भी मुख्यमंत्री शर्मा के कर कमलों से संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न श्रेणियों में अंबेडकर पुरस्कारों का वितरण किया गया तथा नवाचार के रूप में समाधान साथी चैट बोट का शुभारंभ भी किया गया।

अंबेडकर जयंती से पूर्व दिवस पर गूंजे समता के स्वर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नवलगढ़। एस. एन. विद्यालय, नवलगढ़ में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के पूर्व दिवस पर श्रद्धा एवं गरिमामय वातावरण में प्रार्थना सभा में संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम गणेश एवं सरस्वती वंदना से हुआ, तत्पश्चात बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने डॉ. अंबेडकर के जीवन, संघर्ष एवं भारतीय संविधान के निर्माण में उनके अमूल्य योगदान पर हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंतर्गत बाबा साहेब से संबंधित चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप सम्मानित किया गया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य रणजीत सिंह शेखावत ने अपने उद्बोधन में बाबा साहेब के सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के प्रति उनके अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का प्रभावशाली मंच संचालन विद्यालय की हिंदी व्याख्याता सुमन राठौड़ द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

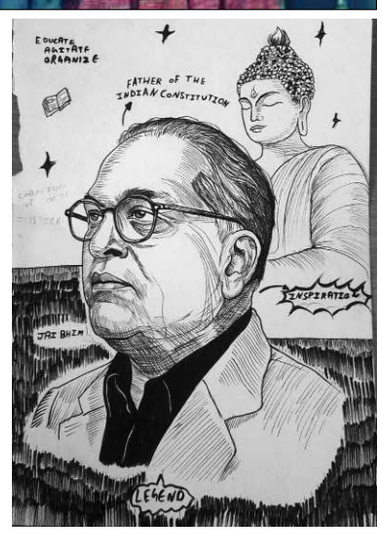

वाणिज्य संकाय की कृष्णा अग्रवाल ने बनाई बाबा साहेब अम्बेड़कर की कृति।

लकवे के साथ कूल्हे के फ्रैक्चर का सफल ऑपरेशन, 2 दिन में चलने लगी वृद्ध महिला

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। समीपवर्ती जिले की एक वृद्ध एवं मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला जस्सूबाला के साथ हुई गंभीर स्वास्थ्य समस्या का सफल इलाज चित्तौड़गढ़ के एमपी बिरला हॉस्पिटल में संभव हो पाया। जानकारी के अनुसार, जस्सूबाला को अचानक CVA स्ट्रोक (लकवा) आया, जिसके कारण वह गिर गई और उनके दाहिने कूल्हे में फ्रैक्चर हो गया।

मानसिक स्थिति ठीक न होने के कारण परिजनों को करीब 15 दिनों तक उनकी तकलीफ का सही अंदाजा नहीं हो सका। जब स्थिति गंभीर समझ में आई, तब परिजन उन्हें तुरंत चित्तौड़गढ़ स्थित एमपी बिरला हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. कार्तिक शर्मा को दिखाया गया।

डॉ. शर्मा ने आवश्यक जांच के बाद बताया कि मरीज के कूल्हे का ऑपरेशन करना जरूरी है, लेकिन साथ में CVA स्ट्रोक होने के कारण यह सर्जरी काफी चुनौतीपूर्ण होगी। परिजनों की सहमति मिलने के बाद पहले मरीज को भर्ती कर उनकी स्थिति स्थिर की गई और स्ट्रोक का उपचार शुरू किया गया। स्थिति नियंत्रित होने के बाद डॉ. शर्मा और उनकी टीम ने सफलतापूर्वक कूल्हे का ऑपरेशन किया।

खास बात यह रही कि ऑपरेशन के मात्र 2 दिन बाद ही मरीज चलने-फिरने में सक्षम हो गई। डॉ. शर्मा ने बताया कि वृद्धावस्था में गिरने से कूल्हे का फ्रैक्चर होना सामान्य है, लेकिन स्ट्रोक के साथ इस प्रकार का ऑपरेशन करना जटिल होता है। समय पर इलाज और सही देखभाल से मरीज को नया जीवन मिला है।

माधव होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में विश्व होम्योपैथी दिवस उत्साह पूर्वक मनाया गया

आबूरोड @ जागरूक जनता। माधव होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में विश्व होम्योपैथी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में माधव विश्वविद्यालय एवं कॉलेज के अनेक पदाधिकारी, चिकित्सक एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. राजकुमार रहे। कार्यक्रम में प्रो प्रेसिडेंट डॉ. सुशील भार्गव, रजिस्ट्रार डॉ. भावेश कुमावत व होम्योपैथिक विभाग की निदेशक डॉ भारती देसाई विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्र म में टीवीटीसीसी प्रमुख महेंद्र सिंह गुर्जर, अधिष्ठाता डॉ. भानुप्रताप सिंह, वाइस प्रिंसिपल डॉ. अभिजीत गिरी सहित विभिन्न विभागों के प्राध्यापकगण एवं चिकित्सक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में हार्दिक हॉस्पिटल के एनेस्थीसियोलॉजिस्ट डॉ. विक्रांत सक्सेना द्वारा इमरजेंसी एवं क्रिटिकल केयर विषय पर इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया।

विजयपुर में नानी बाई का मायरा महायज्ञ, विधायक आक्या ने लिया आशीर्वाद

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या विजयपुर के श्री नृसिंह गौशाला में आयोजित तीन दिवसीय नानी बाई का मायरा एवं गौ पुष्टि महायज्ञ में सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होने गौलोकवासी श्री वैष्णव दासजी महाराज व व्यासपीठ का पुजन अर्चन किया। उन्होने अजमेर से पधारे कथावचक परम् पूज्य गौरव व्यास से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए सर्वत्र खुशहाली की कामना की। विधायक आक्या ने विजयपुर ग्रामवासियों को गौशाला को भव्य ओर दिव्य बनाने में हर सम्भव मदद का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर शैलेन्द्र झंवर, कैलाश चन्द्र लड्ढा, निवर्तमान सरपंच श्यामलाल शर्मा, दिग्विजय सिंह, महेश चन्द्र लड्ढा, बालकृष्ण शर्मा, भगवत सिंह, बंशीलाल मुंदड़ा, सुनिल चेचाणी, संस्थान अध्यक्ष प्रवीण टांक, गोविन्द तोषनीवाल, संजय शर्मा, शिवलाल शर्मा, कालु चेचाणी, एडवोकेट श्याम शर्मा, लोकेन्द्रसिंह, युवराज सिंह, बनवारी माली, सुनिल गुर्जरगोड, नवीन सारथी, बाबु मुंदडा सहीत बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

जिंक यूनियन ने मनाई अम्बेडकर जयंती

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर मज़दूर संघ के कार्यालय में बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती मनाकर उनके योगदान को याद किया गया। उनकी तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये गए। जिला मेटल माइंस मजदूर संघ अध्यक्ष रणजीत सिंह भाटी, ज़िंक एचआर अधिकारी रोशन गोसलिया, डिप्टी सी एस ओ अंबरीश कुमार, सीएसआर हेड सुंदर राज, सी एस आर अधिकारी ओजस्वी, जिला मेटल यूनियन महामंत्री महेन्द्र सिंह भाटी, यूनियन पदाधिकारी दिलीप सिंह सिसोदिया, देवीलाल राठौर, मेवालाल खटीक, अनिल अग्रवाल, राधेश्याम माली, कैलाश कुम्हार, भंवर लाल जाट, डाडम नागदा, गोपाल, मोहन लाल सहित पदाधिकारी एवं श्रमिक उपस्थित थे।

भाजपा युवा नेता श्रेणिक जैन ने किया प्रदेशाध्यक्ष का अभिनंदन

जोधपुर @ जागरूक जनता। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के आज जैन तीर्थ नाकाडों पार्श्वनाथ जैन मंदिर में दर्शनार्थ आने पर भाजपा युवा मोर्चा नेता श्रेणिक जैन ने उनका भव्य स्वागत किया और प्रभु नाकोड़ा पार्श्वनाथ और नाकोड़ा भैरवनाथ की विशेष तस्वीर भेंट कर अभिनंदन किया। समाजसेवी और भाजपा युवा मोर्चा नेता श्रेणिक जैन के अभिनंदन के समय राज्यमंत्री केके बिश्नोई, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र कुमावत, प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी, प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरीश सिंह जसोल, गणपत बांठिया, किशोर सिंह सहित पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण एवं नाकोड़ा ट्रस्ट के सदस्य भी उपस्थित रहें। प्रदेशाध्यक्ष के बाड़मेर,बालोतरा व नाकाडो तीर्थ प्रवास में जोधपुर शहर भाजपा युवा मोर्चा नेता श्रेणिक जैन उनके साथ रहें।

20वां राष्ट्रीय कौशल विकास वैज्ञानिक भेड़-बकरी एवं खरगोश पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम

अच्छी नस्ल के पशुओं का चयन करें किसान-तोमर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

टोंक। भाकृअनुप- केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर में 8 से 14 अप्रैल, तक सात दिवसीय 20वां राष्ट्रीय कौशल विकास वैज्ञानिक भेड़ -बकरी एवं खरगोश पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन डॉ रणधीरसिंह भट्ट विभाग अध्यक्ष पशु पोषण विभाग की अध्यक्षता मे किया गया। जिसमे देश के तीन राज्य राजस्थान, दिल्ली एवं आंध्र प्रदेश के 7 महिला एवं 19 पुरुषों ने भाग लेकर संस्थान निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर के मार्गदर्शन मे संस्थान के विभिन्न विषय के वैज्ञानिक के व्याख्यान के माध्यम से वैज्ञानिक प्रबंधन से ऊनत पशुपालन के बारे मे जानकारी प्राप्त करते हुए अपने सवाल जवाब पर चर्चा की। निदेशक डॉ अरुण कुमार द्वारा प्रशिक्षण के दौरान किसान से अच्छे नस्ल के पशुओ जो अपने वातावरण मे अच्छी पैदावार दे सके, उनके वैज्ञानिक पालन अपनाने का सभी से निवेदन किया। समापन कार्यक्रम मे डॉ रणधीर सिंह भट्ट, डॉ सिद्धार्थ सारथी मिश्रा विभाग अध्यक्ष एजीबी, एचआरडी प्रभारी डॉ सत्यवीर सिंह डांगी, वैज्ञानिक डॉ रंगलाल मीना द्वारा भी किसान को सम्बोधन के साथ फीडबैक पर विस्तार से चर्चा की। समापन कार्यक्रम मे सभी को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र का भी वितरण किया गया। संविदाकर्मी कमलेश अजमेरा द्वारा किसान के लिए आवश्यक सुविधा को बनाये रखने मे सहयोग किया। अविकानगर के मीडिया प्रभारी डॉ अमरसिंह मीना वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा समापन कार्यक्रम की जानकारी दी।

शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन सम्पन्न

आबूरोड़ @ जागरूक जनता। माधव विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। सम्मेलन का विषय "सतत खेल और शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्रः समावेशन, सुगमता और तकनीकी नवाचार में प्रगति" रहा, जिसमें देशभर से आए कुल 78 प्रतिभागियों ने सक्रि य सहभागिता की। समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. भावेश कुमावत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर डिप्टी रजिस्ट्रार डूंगर सिंह, शिक्षा संकाय के अधिष्ठाता डॉ. अवधेश आढ़ा तथा शारीरिक शिक्षा विभाग के डॉ. भरतकुमार चौधरी, डॉ. विष्णु चौधरी, डॉ. चिंतन पटेल, डॉ. धरती सवाणी, डॉ. उर्वशी पटेल, सिद्धार्थ सिंह चौहान, डॉ. नियंता जोशी, डॉ. मुकेश कुमार एवं शोधार्थी अशोक कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। अतिथियों ने अपने संबोधन में खेल और शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, समावेशन एवं तकनीकी विकास की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इस प्रकार के सम्मेलन ज्ञान-विनिमय के प्रभावी मंच सिद्ध होते हैं। कार्यशाला के सफल आयोजन में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल (टीपीसी) समिति के सदस्य श्रवण (एम.टेक द्वितीय वर्ष, इंजीनियरिंग), सूरज (बीबीए तृतीय वर्ष), रयान (बीसीए प्रथम वर्ष), फिरदौस (बीबीए द्वितीय वर्ष), जयाश्री (बीबीए तृतीय वर्ष), योगिता (बीबीए द्वितीय वर्ष), किरण (बीएचएमएस प्रथम वर्ष) एवं अग्निन (बीएचएमएस प्रथम वर्ष) ने आयोजन की व्यवस्थाओं, समन्वय और संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंत में आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों, अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे शैक्षणिक एवं शोधपरक आयोजनों को निरंतर आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

बाबा साहेब की जयंती पर मैराथन, वाहन रैली व आमसभा का आयोजन

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। डॉ. बीआर अम्बेडकर महोत्सव समिति के तत्वावधान में समस्त अजा, जजा संगठनों के साथ मंगलवार को भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर का 135वां जन्मोत्सव उत्साह से मनाया गया। सुरेश खोईवाल, हंसराज सालवी, दिनेश सालवी, रामेश्वर लाल बैरवा, कमल मीणा, रविन्द्र बैरवा, छगनलाल चावला, रतनलाल सालवी, रतनदेव मोहिल, नारायण लाल खटीक, किशनलाल सालवी, अनिल कुमार बारेसा, नरेन्द्र लोठ, सुनिल रजक, अरूण कुमार धोबी ने बताया कि एक मैराथन दौड़ का आयोजन पृथ्वीराज खटीक एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रमोद सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में हुआ। तत्पश्चात् किला रोड़ स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। उसके बाद एक वाहन रैली शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए इंदिरा प्रियदर्शनी ऑडिटोरियम पहुँची जहाँ विशाल आमसभा आयोजित की गई। प्रथम सत्र में विधायक चन्द्रभानसिंह आक्या, शैलेन्द्र झंवर, ओमप्रकाश शर्मा, कांग्रेस जिलाध्यक्ष सिसोदिया मौजूद रहे। द्वितीय सत्र में आगुचा के महंत बाबा बालकनाथ महाराज, सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत, रमेशनाथ योगी, रणजीत लोठ, कैलाश पंवार, विक्रम जाट मौजूद रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में निर्मल देसाई, मदन ओजस्वी, कालूराम बैरवा, जानकीलाल रेगर, पिन्टू मीणा, प्रकाश ठेकेदार, चमनलाल मीणा, रवि, भगवतसिंह तंवर, शंकर खटीक, प्रकाश रजक, गोपाल सालवी, भगवान लाल सालवी, राजेन्द्र सालवी, पृथ्वीराज खटीक, मुकेश चावला, डॉ. घनश्याम राजोरिया, डॉ. राकेश करसोलिया, नीता देसाई, पुष्पा सालवी, ललिता रेगर, शारदा खटीक, निर्मला मेघवाल, ललिता खोईवाल आदि का सहयोग रहा।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म

दिनांक .....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम .....

पता : .....

.....

फोन ..... पिन कोड

राशि (रुपए) ..... बैंक का नाम .....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. .....रसीद क्रं. .....

दिनांक ..... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

भव्य आतिशबाजी और संगीतमय प्रस्तुतियों की चमक

सोफिया हाई स्कूल का प्लेटिनम जुबली समारोह सम्पन्न

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

माउंट आबू। माउंट आबू की प्रतिष्ठित सोफिया हाई स्कूल का प्लेटिनम जुबली समारोह भव्य आतिशबाजी, कैंडल्स प्रोसेसन और संगीतमय प्रस्तुतियों के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की छात्राओं ने की, जिन्होंने देश के विभिन्न प्रांतों एवं राज्यों के लोकप्रिय नृत्यगीतों पर मनमोहक नृत्य प्रदर्शन किया। यह प्रस्तुति दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गई। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि सीआरपीएफ की आंतरिक सुरक्षा अकादमी की निदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक दर्शन लाल गोला ने कहा कि ऐसे शिक्षण संस्थान प्रतिभाशाली छात्रों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यहाँ की शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि छात्रों को प्रतिकूल-अनुकूल परिस्थितियों में समाज सेवा करने की कला भी सिखाती है।

अजमेर प्रांत के बिशप जॉन क्रॉवेलो ने अपने उद्बोधन में जोर दिया कि सोफिया स्कूलों की शिक्षा छात्रों को समाज में सर्वोत्तम योगदान देने के लिए प्रेरित करती है। सिलेबस पूरा करने के साथ-साथ दैनिक जीवन में आत्मविश्वास से कार्यरत रहकर क्षेत्र में प्रगति के झंडे गाड़ने की सीख दी जाती है। क्षेत्रीय विधायक समाराम गरासिया ने भावुक होकर कहा कि उनके 20 वर्षों के राजनीतिक जीवन में चार सत्र व्यतीत हो चुके हैं, लेकिन ऐसी प्रेरणादायी जगह पर पहली बार आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यहाँ का वातावरण बेहद आकर्षक और प्रेरक है। समारोह में मुख्य अतिथि सीआरपीएफ आईजी दर्शन लाल गोला, विधायक समाराम गरासिया, डीआईजी शिवकुमार सिंह, डीआईजी सुधांशु सिंह, फादर कॉसमॉस, सिस्टर प्रिंसिपल आभा, पूर्व सिस्टर प्रिंसिपल्स एवं अभिभावकों का विशाल समूह उपस्थित रहा।

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2024-26

राजस्थान में कमजोर मानसून का अलर्ट, इस बार 8% कम बारिश का अनुमान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अगर आप भीषण गर्मी के बाद झमाझम बारिश का इंतजार कर रहे हैं, तो मौसम विभाग का यह ताजा अपडेट आपको थोड़ा निराश कर सकता है। विभाग के पहले पूर्वानुमान के मुताबिक, इस साल देश में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान है। जून से सितंबर के बीच होने वाली बारिश औसत का केवल 92 प्रतिशत ही रह सकती है, यानी सीधा-सीधा 8 प्रतिशत का घाटा।

क्यों रूठेंगे बादल? 'अल नीनो' है बड़ी वजह

जयपुर मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह 'अल नीनो' को माना जा रहा है। दरअसल, प्रशांत महासागर का पानी जब गर्म होने लगता है, तो भारत में मानसून कमजोर पड़ जाता है। इसका असर जून के आसपास दिखना शुरू हो सकता है, जिससे न सिर्फ मानसून की शुरुआत धीमी होगी, बल्कि रफ्तार पर भी ब्रेक संभव है।

राजस्थान समेत कई राज्यों पर ज्यादा असर

आंकड़ों की मानें तो उत्तर भारत के राज्यों- राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 10 से 20 प्रतिशत तक कम बारिश होने की आशंका है। मध्य भारत में भी 5 से 10 प्रतिशत की कमी रह सकती है। हालांकि, पूर्वोत्तर भारत में बारिश सामान्य रहने की उम्मीद है। पिछले 10 साल में यह दूसरी बार है जब मानसून इतना कमजोर रहने वाला है।

जेब और खेती पर पड़ेगा बुरा असर

देश की 75 प्रतिशत बारिश मानसून पर टिकी है। अगर बारिश कम हुई, तो धान, मक्का और सोयाबीन जैसी फसलों का उत्पादन घट सकता है। जब पैदावार कम होगी, तो बाजार में कीमतें बढ़ेंगी और महंगाई आम आदमी की कमर तोड़ सकती है। इसके अलावा, कम बारिश का मतलब है पानी की कमी और बिजली की बढ़ती मांग।

राजस्थान में 44 डिग्री का 'टॉर्चर' शुरू

मानसून तो बाद में आएगा, लेकिन गर्मी ने अभी से पसीने छुड़ा दिए हैं। पिछले 24 घंटों में बाड़मेर में पारा 41.8 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा है। मौसम विभाग का कहना है कि 17 और 18 अप्रैल को जोधपुर और बीकानेर संभाग में तापमान 42 से 44 डिग्री तक पहुंच सकता है।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

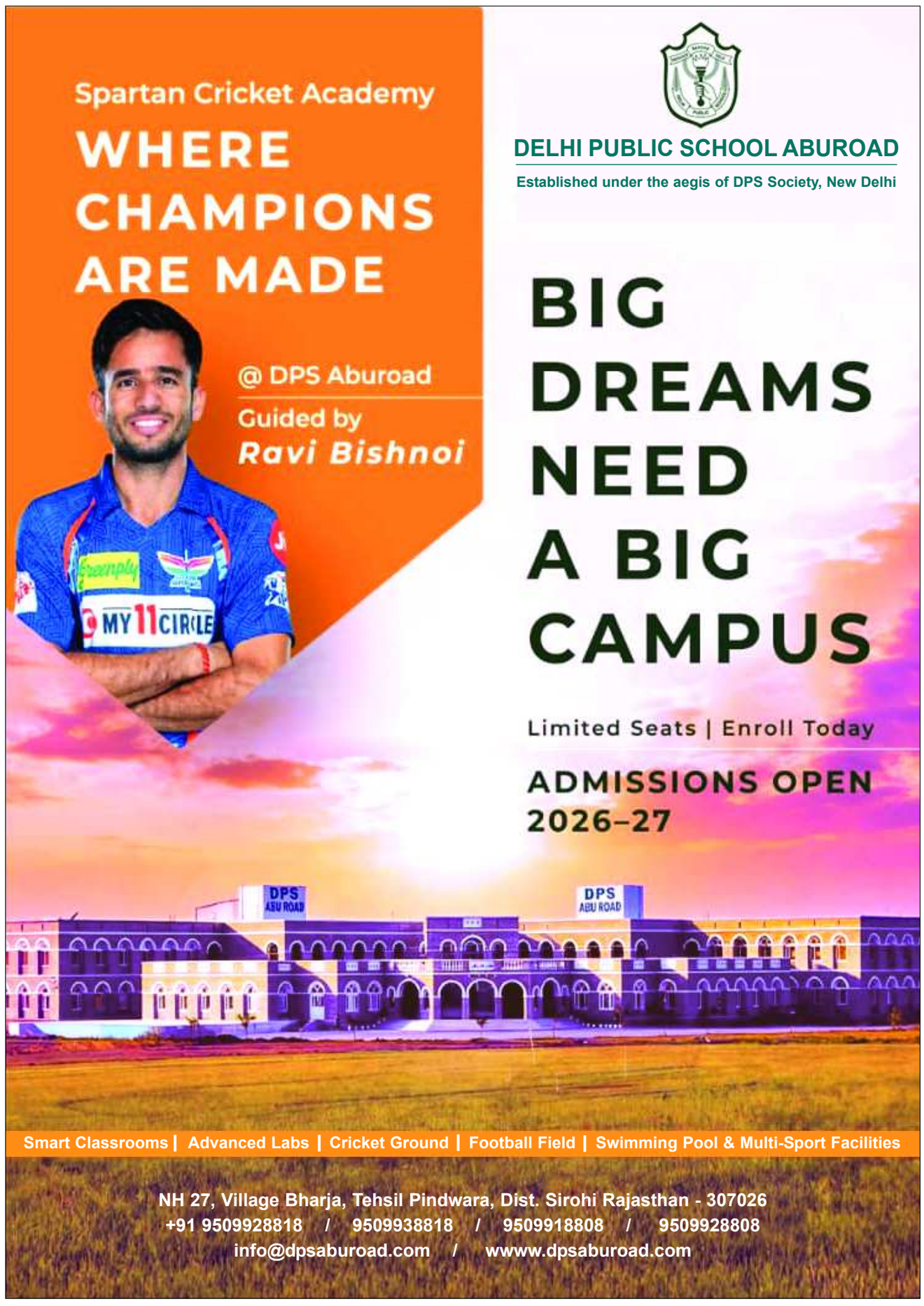

नैतिक मूल्यों को समर्पित शिक्षण संस्था
सरस्वती शिक्षा सदन सै. स्कूल
विद्याः ददाति विनयम्
सी-68-70, विद्याधर नगर, जयपुर, Ph. :0141-2337215, M. : 9414752392, 86190 79638
माध्यमिक परीक्षा 2025-26 में विद्यालय के प्रतिभावान छात्र-छात्राएं (अंग्रेजी/हिन्दी माध्यम)

प्रीति चेलानी 92.33%
शहरान खान 91.50%
फरहीन बानो 90.33%
संजना भदौरिया 88.00%
भाविका मनवानी 87.83%
रेहान मनिहार 87.33%

हार्दिक शुभकामनाएं

84.67 अमन अंसारी
81.17 आस्मां बानो
80.17 जतिन बच्चानी
79.50 अली ईशिका

ADMISSION OPEN
10वीं बोर्ड उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम

78.83 नेहा बानो
77.67 पायल हटवाल
76.33 दीपक
75.17 सक्षम शर्मा
74.83 नवांश सोनी
74.17 पायल बदकारिया
73.33 कोमल जामनानी
73.33 सृष्टी पाण्डे
71.67 पवन महावर
71.33 तानिया
70.83 दिव्यांशी शर्मा
70.17 परी नागेश्वर
69.17 तनीषा बैरवा
68.50 कोमल प्रजापत
67.83 मो. रिहान
67.50 मो. समी
67.17 आसिफ
66.00 प्रिया बर्मन
65.33 वीर डाबोरिया
64.17 अभिषेक कुमार
64.00 तमन्ना महावर
64.00 आयशा
63.33 अजहरुद्दीन गौरी
63.17 खुशी महावर
62.33 अंकित बैरवा
62.17 अंकुर कुमार बैरवा
61.83 रेहान मनिहार
61.83 सन्नी महावर
61.17 कुणाल नायक
61.00 निमरा मंसूरी

सत्र 2025-26 में 85% से 92% अंक लाने पर 6 छात्र-छात्राओं को क्रमशः 5100/- व 2100/- रू. नगद पुरस्कार सहित यूनीफार्म व किताब कॉपी प्रदान की गई।

विद्यालय की 8 छात्राएं जो शिक्षा विभाग की गार्गी पुरस्कार योजना में भी चयनित हुई है। इनको आगामी कक्षा की किताब, कॉपी, निःशुल्क प्रदान की गई।

Qualified Teachers Required

नो एडमिशन फीस नर्सरी से UKG/Prep
किताबे निःशुल्क एक यूनीफार्म निःशुल्क
केवल नए विद्यार्थियों के लिए

नोट - RTE के तहत नियमानुसार 25% निःशुल्क प्रवेश।

SARASWATI CHILDREN'S ACADEMY
C-82-83,Vidhyadhar Nagar, Jaipur, M. : 9414752392, 8619079638

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- चेतेन्द्र कुमार मिश्रा

1933–2026

किसी नज़र को तेरा इंतज़ार आज भी है, कहां हो तुम कि...

इस सफर में मेरा नाविक संगीत है, जो मुझे जीवन की नदी को पार कराने वाला मार्गदर्शक है

चेस्ट इंफेक्शन के चलते आशा भोसले ने 92 साल की उम्र में रविवार को दुनिया को अलविदा कह दिया। इसके बाद ना सिर्फ म्यूज़िक के चाहने वालों में, बल्कि पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई:

अभी न जाओ छोड़ कर, ये दिल अभी भरा नहीं

चुरा लिया है तुमने जो दिल को
कहीं आग लगे लग जावे
पिया तू अब तो आजा

अपनी बहन लता मंगेशकर के साथ आशा भोसले

'मैं मोक्ष प्राप्त करूंगी' कहकर चली गई आशा

आशा भोसले को म्यूज़िक से इतना प्यार था कि अपने आखिरी सालों में भी उन्होंने गानों को अपनी आवाज़ दी। उनका आखिरी गाना द शैडोई लाइट इसी साल रिलीज़ हुआ जो उन्होंने ब्रिटिश वर्चुअल बैंड गोरिल्लाज के साथ गाया था। उन्होंने मार्च में सोशल मीडिया पर इसकी एक तस्वीर साझा की और उसके साथ लिखा था, 'द शैडोई लाइट' गाना मेरे लिए बहुत गहरा अर्थ रखता है। वाराणसी में नदी गंगा के किनारे यात्रा करते हुए, जो कुछ मैंने देखा, उसे करीब से समझने पर मुझे जीवन का अर्थ समझ आया कि मैं कौन हूं और इस धरती पर मुझे क्या करना चाहिए।' उन्होंने आगे लिखा, 'द शैडोई लाइट' में इस गहरी नदी को पार करना मेरे जीवन के सफर को दर्शाता है। इस सफर में मेरा नाविक संगीत है, जो मुझे जीवन की इस नदी को पार कराने वाला मार्गदर्शक है और जब मैं दूसरे किनारे पर पहुंचूंगी, तो मेरा सफर पूरा हो जाएगा। मैं मोक्ष प्राप्त करूंगी, जहां मैं उन हज़ारों ध्वनियों में एक हो जाऊंगी, जो हमारे चारों ओर हर समय रहती है। अगर आप उन ध्वनियों को एक साथ जोड़ दें, तो वे एक सुंदर धुन बनाती है। मैं भी उन ध्वनियों में एक बन जाऊंगी।'

Photos: asha.bhosle

यह फोटो आशा भोसले ने मार्च में अपने सोशल मीडिया पर अपलोड की थी

उपलब्धियां

- पद्म विभूषण (2008)
- दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड (2000)
- 2 राष्ट्रीय फिल्म अवॉर्ड
- 9 फिल्मफेयर अवॉर्ड्स
- 18 महाराष्ट्र फिल्म अवॉर्ड्स
- दो बार ग्रैमी में नॉमिनेशन
- 12 हज़ार से ज्यादा गानों के लिए गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड्स में नाम

उस्ताद अली अकबर खान के साथ एल्बम लेगेसी में बेहतरीन काम के लिए 1997 में आशा भोसले को ग्रैमी अवॉर्ड्स के लिए नॉमिनेशन मिला था

'मैं फिल्म लाइन की आख़िरी मुग़ल हूं'

सुरों की मलिका आशा भोसले ने जब यह कहा था, तब किसी ने नहीं सोचा था कि वे एक दिन संगीत की दुनिया को यूं दर्द भरे सन्नाटे में छोड़ जाएंगी। करीब दो साल पहले, 91 की उम्र में दुबई के लाइव कॉन्सर्ट में 'दम मारो दम' गाकर उन्होंने न सिर्फ दर्शकों को झुमाया, बल्कि विकी कौशल के मशहूर 'तौबा तौबा' स्टेप से सभी को मंत्रमुग्ध भी कर दिया था।

खुली किताब सी थी ज़िंदगी

सुरों की मलिका आशा भोसले से हमारी तीन-चार मुलाकातें रहीं और हर मुलाक़ात यादगार। पहली ही मुलाकात में उन्होंने चौंका दिया था। दरवाज़े की घंटी बजाने पर उन्होंने खुद दरवाज़ा खोला-सादी पीली साड़ी में एक बेहद सरल, घरेलू स्त्री। उनकी शहद-सी मीठी आवाज में 'आइए' सुनकर लगा, कोई इतना सच्चा, सरल, बिंदास और प्रतिभाशाली कैसे हो सकता है। अपने हाथ की चाय की मीठी चुस्कियों के साथ उन्होंने अपने जीवन के कड़वे पल भी साझा किए थे। उन्होंने कहा था, 'मेरी ज़िंदगी एक खुली किताब रही है। मैंने कभी खुद को परदे के पीछे नहीं रखा, न ही किसी तरह का भेदभाव किया, शायद यही वजह है कि लोग मुझे अपना मानते हैं।'

'इसे तो लड़की नहीं लड़का होना चाहिए था'

8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र में जन्मी आशा भोसले का जन्म संगीतमय परिवार में हुआ था। उनके पिता दीनानाथ मंगेशकर एक जाने-माने अभिनेता और शास्त्रीय गायक थे। संगीत विरासत में मिला, मगर आशा को संगीत से ज्यादा खेलकूद में रुचि थी। उन्होंने बताया था, 'मेरे पिताजी संगीत के महारथी थे और भाई-बहन भी संगीत प्रेमी। पिताजी मुझे संगीत की तालीम देने की कोशिश करते, मगर मैं तो खेलकूद और घर के कामों में मग्न रहती। हमारे स्कूल में एक मास्टरजी थे, वह जब भी मुझे और दीदी को साथ गाने के लिए कहते, मैं भाग जाती थी। मेरे घर वाले और आस-पड़ोस के लोग मुझे बुद्धू, पठान, पहलवान जैसे नामों से बुलाते थे। मां तो कई बार कहतीं, गलती से मेरे घर में लड़की पैदा हो गई, इसे तो लड़का होना चाहिए था।'

100 रुपए थी पहले गाने की फीस

आशा ने 13 साल की कच्ची उम्र में परिवार के खिलाफ जाकर खुद से 15 साल बड़े गणपतराव भोसले से शादी की। मगर उसके बाद उनकी ज़िंदगी आसान नहीं रही। उन्होंने बताया, 'गायिका बनने के बारे में तो मैंने सोचा ही नहीं था। मगर घर की खस्ता हालत पर भोसले साहब ने ही मुझे गाने के लिए प्रेरित किया। दरअसल शादी के बाद दिक्कतें बढ़ गई थीं। हम लोग बोरीवली में रहा करते थे, उस ज़माने में लक्ष्मी, मिनर्वा, मूवी टोन जैसे फेमस स्टूडियोज़ घर से बहुत दूर थे। काम पाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। मुझे याद है कि अपनी पहली कमाई, जो मुझे सावन आया सावन आया के लिए मिली थी, वह थी 100 रुपए। मैंने वह पैसे अपने पति भोसले साहब के हाथों में रखे थे।' अपनी शादी में आशा ने जितनी भी प्रताड़ना और अवहेलना सही हो, मगर मातृत्व उनकी जिंदगी में ख़ुशी का चमचमाता नगीना था। उन्होंने कहा था, 'मां बनना मेरी सबसे बड़ी खुशी थी और उस खुशी के बाद मैंने भोसले साहब के दिए हुए सारे दुःख माफ कर दिए थे।'

हर तरह के गानों में थीं माहिर

ओपी नैयर और एसडी बर्मन के साथ उनका जादू सिर चढ़कर बोला। नया दौर (1957) के जरिए इस जोड़ी ने एक इतिहास रच दिया. 'उड़े जब-जब जुल्फें तेरी' जैसे गानों ने आशा को पहली बार फ़िल्म की मुख्य अभिनेत्री की आवाज़ बनाया और उन्हें बीआर चोपड़ा जैसे बड़े कैंप का हिस्सा बना दिया। उसी साल (1957) संगीतकार एसडी बर्मन और लता मंगेशकर के बीच हुए मनमुटाव ने आशा के लिए सफलता के नए दरवाजे खोल दिए। सचिन देव बर्मन, किशोर कुमार, आशा भोसले और मजरूह सुल्तानपुरी की चौकड़ी ने हिंदी सिनेमा में रूमानी और चुलबुले गीतों का नया दौर शुरू किया। 'अच्छा जी मैं हारी' जैसे गीतों से लेकर 'नज़र लगी राजा तोरे बंगले पर' जैसे ठुमरी-आधारित गीतों तक उन्होंने उनकी प्रतिभा को उभारा। आरडी बर्मन ने संगीत में पाश्चात्य मिज़ाज को पिरोया, तो आशा ने उस संगीत में बेबाक कशिश और आज़ाद ख़याली के नए रंग भरे।

लता और आशा की प्रतिस्पर्धा

आशा भोसले और लता मंगेशकर जैसी दो महान बहनों की आपसी प्रतिस्पर्धा किसी से भी छिपी नही थी। दोनों बहनों की इस प्रतिस्पर्धा पर उन्होंने सादगी से बताया था, 'देखिए, चांद पर पहली बार एक साथ दो लोग उतरे थे, नील आर्मस्ट्रांग और बज एल्ड्रिन, मगर लोग पहले नाम को याद रखते हैं, जिसने पहले कदम रखा।'

विवादों से भी रहा नाता

विवाद और आशा का भी चोली-दामन का साथ रहा। ओपी नैयर के साथ उनकी नजदीकियां, आरडी बर्मन के साथ उनकी शादी और निधन के बाद विरासत को लेकर हुई कॉन्ट्रोवर्सी हो या फिर उनके गानों पर लगा बैन (दम मारो दम) हो, वह हर बार यूनिकॉर्न साबित हुईं। उनका कहना था, 'गलतियां सभी से होती हैं। मुझसे भी हुई है, पर मेरा नाम कई झूठे विवादों में भी घसीटा गया। मैं उसकी परवाह नहीं करती। मैंने देखा है कि महिलाओं को लोग आसानी से जज कर लेते हैं। इसीलिए मैं किसी महिला के बारे में कुछ भी बोलने से पहले सोचती हूं कि पता नहीं वह किन हालातों से गुजरी होगी।'

सितारों ने दी श्रद्धांजलि

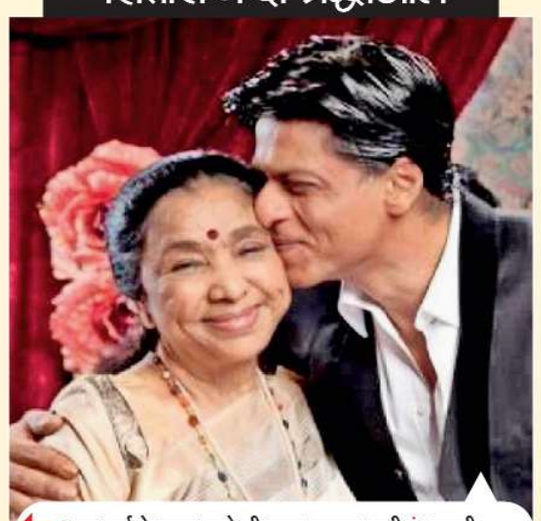

आशा ताई के गुज़र जाने की खबर सुनकर दुखी हूं। उनकी आवाज़ भारतीय सिनेमा के लिए एक पिलर की तरह है और सदियों तक गूंजती रहेगी। उनमें ऐसी प्रतिभा थीं जिनका असर कई लोगों को प्रेरित करती रहेगी। उन्होंने हमेशा मुझे प्यार और आशीर्वाद दिया है। मैं उन्हें याद करूंगा। - शाहरुख खान

आशा भोसले जी के निधन से मुझे जो क्षति हुई है, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उनकी सुरीली आवाज़ हमेशा-हमेशा के लिए अमर रहेगी। - अक्षय कुमार

कुछ चोट ऐसी होती हैं जिनके लगने पर लगता है कि आपके बचपन, आपके घर और आपकी यादों का एक हिस्सा खो गया। बहुत लोगों के लिए आशा जी वह थीं। - प्रियंका चोपड़ा

- एक ऐसी आवाज़ जिसने पीढ़ियों को परिभाषित किया। आशा जी की विरासत हमेशा हमारे साथ रहेगी। ओम शांति। - अनुष्का शर्मा

भारतीय संगीत जगत के लिए बहुत बड़ी क्षति। आशा जी के निधन की खबर सुनकर दिल टूट गया है। एक ऐसी आवाज़ जिसकी जगह कोई नहीं ले पाएगा। आपके गाने आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देते रहेंगे। - सलमान खान

- कुछ आवाज़ें ऐसी होती हैं जो पूरे दौर को परिभाषित करती हैं और फिर आती हैं आशा जी। एक ऐसी लेजेंड जिन्होंने कई पीढ़ियों, जॉनर और भावनाओं को अपनी आवाज़ से सजाया। आज दुनिया थोड़ी खामोश है। ईश्वर आपकी आत्मा को शांति दे आशा जी। - अनिल कपूर

आशा जी और उनकी आवाज़ हमेशा हमारे साथ रहेंगी। ओम शांति। - सनी देओल

ब्रेट ली ने भी गाया था आशा संग गाना

साल 2007 में आशा भोसले ने एल्बम आशा एंड फ्रेंड्स के लिए एक खास गाना 'यू आर द वन फॉर मी' रिकॉर्ड किया। इस गाने में क्रिकेटर ब्रेट ली उनके साथ थे, जो उस दौर के सबसे फेमस बॉलर्स में शुमार थे। गाने में ब्रेट ली ने हिंदी में भी लाइन गाई, 'हां, मैं तुम्हारा हूं, तुम्हारा ही रहूंगा' जो आज भी इस गाने की सबसे यादगार लाइन मानी जाती है। तब ब्रेट ली ने उन्हें बेहद विनम्र महिला बताया था।

दम मारो दम गाना आशा भोसले ने ही कहकर फिल्म में रखवाया

फ़िल्म हरे रामा हरे कृष्णा के गाने 'दम मारो दम...' आशा जी के जीवन का अहम गाना था। लेकिन यह गाना लगभग फिल्म से हटा ही दिया गया था। 'मोमेंट्स इन टाइम' सीरीज में आशा भोसले ने बताया था कि आशा भोसले ने वह गाना रिकॉर्ड किया। लेकिन दो दिन बाद पंचम दा (आरडी बर्मन) ने फोन करके बोला कि यह गाना फिल्म से हटा दिया गया है। ये बात सुनते ही आशा जी निर्देशक के घर चली गईं। उन्होंने उनसे कहा कि ये गाना आप प्लीज़ मत हटाइए। आशा जी के बार-बार कहने पर निर्देशक बोले, आप कह रही हैं तो मैं गाना रख लेता हूं। इस तरह ये गाना लोगों तक पहुंच सका।

आशा भोसले ने अपना अंतिम गाना इसी साल गोरिल्लाज़ के साथ गाया

जब आशा ताई ने खुद को बताया फिल्म लाइन की 'आखिरी मुगल'

एक शो के दौरान आशा जी ने लता मंगेशकर का ज़िक्र करते हुए कहा था, 'एक दिन लता दीदी ने कहा था कि सब गायक चले गए, किशोर (गायक किशोर कुमार) चले गए, रफी (मोहम्मद रफी) साहब चले गए, मुकेश भाई (म्यूज़िक डायरेक्टर) चले गए, अभी हम दोनों आखिरी मुगल रुके है। उस दिन (लता जी के निधन के बाद) मैंने दीदी को कहा कि तू भी चली, अब मैं आखिरी मुगल हूं। अब उस ज़माने की मैं आखिरी मुगल हूं। 1943 में मैंने पहला गाना गाया था और आज तक मैं गा रही हूं और मैं आखिरी मुगल हूं।'

आशा भोसले के सुपरहिट गाने

आशा भोसले ने 20 से ज्यादा भाषाओं में 12 हज़ार से ज्यादा गाने गाए। इसके लिए 2011 में उनका नाम गिनीज़ वर्ल्ड रेकॉर्ड्स में शामिल हुआ।

- मांग के साथ तुम्हारा (नया दौर, 1957)
- आइये मेहरबां (हावड़ा ब्रिज, 1958)
- अभी न जाओ छोड़कर (हम दोनों, 1961)
- ओ हसीना ज़ुल्फों वाली (तीसरी मंज़िल, 1966)
- दम मारो दम (हरे रामा, हरे कृष्णा, 1971)
- पिया तू अब तो आजा (कारवां, 1971)
- चुरा लिया है तुमने जो दिल को (यादों की बरात, 1972)
- ये मेरा दिल यार का दीवाना (डॉन, 1978)
- दिल चीज़ क्या है (उमराव जान, 1981)
- तन्हा तन्हा (रंगीला, 1995)
- दिल ले गई ले गई (दिल तो पागल है, 1997)
- कहीं आग लगे लग जावे (ताल, 1999)
- राधा कैसे न जले (लगान, 2001)
- दिल के बदले सनम (क्यों की)

एक गाने की रिकॉर्डिंग के दौरान स्टूडियो में आशा भोसले

लता मंगेशकर ने बहन आशा के साथ मिलकर यादगार गाने दिए

मेरा नाम जोकर की रिकॉर्डिंग करती आशा

लो मेरा प्यार ले लो की रिकॉर्डिंग करते पंचम दा, प्रेम चोपड़ा के साथ आशा

गाने की रिहर्सल करते किशोर कुमार, आशा और पंचम दा

म्यूज़िक डायरेक्टर आरडी बर्मन के साथ आशा भोसले

2017 में दिल्ली स्थित मैडम टुसॉड्स म्यूज़ियम में आशा भोसले का मोम का पुतला लगाया गया जिसका उद्घाटन खुद उन्होंने किया